■ पौष शुक्ल - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 156 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 31-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन पारत् राष्ट्रमत् | दिनसरि हिन्दि नाळितऴ् | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अभ्यर्थियों को बिहार पीएससी परीक्षा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का संदेह है : प्रशांत किशोर

6 भारत के विकास की असीम संभावनाओं वाला है नया वर्ष

7 मृणाल ठाकुर ने दिखाई 'दिसंबर' की डायरी से खास पलों की झलक

फर्स्ट टेक

नए साल के पहले दिन दुनिया की आबादी 8.09 अरब होगी

न्यूयॉर्क/एपी। नए साल के पहले दिन विश्व की जनसंख्या 8.09 अरब हो जाएगी और 2024 में दुनिया की आबादी में 7.1 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गयी। यह जानकारी सोमवार को जारी अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुमानों से मिली। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2024 में वैश्विक आबादी में हुई वृद्धि 2023 की तुलना में थोड़ी कम है, जब दुनिया की आबादी में 7.5 करोड़ की वृद्धि हुई थी। अनुमानों के अनुसार, जनवरी 2025 में दुनिया भर में प्रति सेकंड 4.2 जन्म और 2.0 मौत होने का अनुमान है। जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2024 में अमेरिका की आबादी में 26 लाख की वृद्धि हुयी और नए साल के पहले दिन अमेरिका की आबादी 34.1 करोड़ होगी। जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2020 के दशक में अब तक, अमेरिकी आबादी में लगभग 97 लाख की वृद्धि हुई है।

देश का विदेशी कर्ज सितंबर में बढ़कर 711.8 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली/भाषा। भारत का विदेशी कर्ज इस साल सितंबर में बढ़कर 711.8 अरब डॉलर हो गया। यह जून, 2024 की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर, 2023 के अंत में, विदेशी कर्ज 637.1 अरब डॉलर था। 'भारत की तिमाही विदेशी ऋण' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2024 में, देश का विदेशी ऋण 711.8 अरब डॉलर था। यह जून, 2024 के मुकाबले 29.6 अरब डॉलर अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर, 2024 में विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात 19.4 प्रतिशत था, जो जून, 2024 में 18.8 प्रतिशत था।

चीन में दुनिया के सबसे लम्बी सुरंग का निर्माण पूर्ण

बीजिंग/एजेन्सी। चीन में शिनजियांग स्वायत्त क्षेत्र के उत्तरी और दक्षिणी भाग को जोड़ने वाले दुनिया के सबसे लम्बे सुरंग तियांशन शेंगली का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 14 मील लंबे इस सुरंग का निर्माण तिआंशां पर्वत के मध्य भाग में किया गया है। माना जा रहा है कि सुरंग पर यातायात के शुरू हो जाने के बाद इस पर्वत के एक से दूसरे छोर तक पहुंचने में सिर्फ 20 मिनट लगेंगे, जबकि इससे पहले यही दूरी तय करने में कई घंटे तक लग जाते थे। रिपोर्ट के मुताबिक, यह परियोजना दक्षिणी शिनजियांग में क्षेत्रीय राजधानी उरुमकी और उत्तरी शिनजियांग में युली काउंटी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा।

31-12-2024 सूर्यास्त 5:53 बजे | सूर्योदय 01-01-2025 6:31 बजे

BSE	NSE
78,248.13	23,644.90
(-450.94)	(-168.50)

सोना	चांदी
8,014 रु.	100,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

स्पैडेक्स स्पेसक्राफ्ट का प्रक्षेपण सफल

जनवरी 2025 के प्रथम सप्ताह में होगा अंतरिक्ष डॉकिंग का प्रयास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा, (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्पेस डॉकिंग की क्षमता प्रदर्शित करने में मदद करने के मकसद से दो अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक अलग हो गए और उन्हें सोमवार देर रात पृथ्वी के निचले वांछित कक्ष में स्थापित कर दिया गया है।

यह प्रोद्यौगिकी भविष्य में अंतरिक्ष अभियान के लिए इसरो की मदद करेगी।

अभियान के निदेशक एम जयकुमार ने कहा, ''स्पैडेक्स अंतरिक्ष यान की जहां तक बात है, पीएसएलवी सी-60 अभियान पूरा हुआ।''

इस अभियान को इसरो द्वारा 2035 तक खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने से पहले का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पीएसएलवी सी-60 अभियान के कारण भारत एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएगा, क्योंकि वह इस महत्वपूर्ण लक्ष्य को कुछ दिन में हासिल कर लेगा।

पीएसएलवी रॉकेट की लंबाई 44.5 मीटर है और इसके जरिये दो अंतरिक्ष यान- स्पेसक्राफ्ट ए (एसडीएक्स01) और स्पेसक्राफ्ट बी (एसडीएक्स02) को भेजा गया, जिसमें प्रत्येक का वजन 220 किलोग्राम है। इससे स्पेस डॉकिंग, सैटेलाइट सर्विसिंग और अंतरग्रहीय मिशनों में मदद मिलेगी।

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करना बेहद जरूरी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि तेजी से बदलती परिस्थितियों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करना बेहद जरूरी है और सैन्य प्रशिक्षण केन्द्र सैनिकों को इससे लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सिंह ने मध्य प्रदेश के महू में आर्मी वॉर कॉलेज में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, आज के लगातार विकसित होते समय में प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करना समय की मांग है, और सैन्य प्रशिक्षण केंद्र हमारे सैनिकों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सुसज्जित और तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। युद्ध के तरीकों में आ रहे आमूलचूल परिवर्तनों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सूचना युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित युद्ध, छद्म युद्ध, विद्युत-चुंबकीय युद्ध, अंतरिक्ष युद्ध और साइबर हमले जैसे गैर परंपरागत तरीके आज के समय में बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महू प्रशिक्षण केन्द्र इन प्रयासों में बहुमूल्य योगदान दे रहा है। उन्होंने बदलते समय के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में लगातार सुधार करने और कर्मियों को हर तरह की चुनौती के लिए लड़ने के लिए तैयार करने के लिए केंद्रों की सराहना की।

रक्षा मंत्रालय ने 2867 करोड़ का रक्षा अनुबंध किया

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्रालय ने डीआरडीओ-एआईपी प्रणाली के लिए एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्लग के निर्माण और भारतीय पनडुब्बियों पर इसके एकीकरण तथा कलवरी- श्रेणी पनडुब्बियों पर इलेक्ट्रॉनिक हैवी वेट टॉरपीडो (ईएचडब्ल्यूटी) के एकीकरण के लिए लगभग 2,867 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि दोनों अनुबंधों पर यहां रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

किसानों के नौ घंटे के बंद से पंजाब ने जनजीवन प्रभावित, रेल व बस सेवाओं पर भी असर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में किसानों द्वारा आहूत 'बंद' के कारण सोमवार को प्रदेश भर में जनजीवन प्रभावित हुआ। किसान अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर यहां केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया गया बंद शांतिपूर्ण रहा। बंद के दौरान पंजाब में रेल परिचालन अधिकांशतः स्थगित रहा, बसें और अन्य वाहन सड़कों से नदारद रहे, जिससे यात्री फंस गए। दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

एक सप्ताह से अधिक समय पहले बंद का आह्वान करने वाले किसान नेताओं ने इसे सफल करार दिया और पूर्ण समर्थन देने के लिए तीन करोड़ पंजाबियों को धन्यवाद दिया।

कड़ाके की सर्दी और कुछ स्थानों पर घने कोहरे के बीच किसानों ने पटियाला, जालंधर, अमृतसर, फिरोजपुर, बठिंडा और पठानकोट सहित कई सड़कों और राजमार्गों पर धरना दिया, जिससे यातायात बाधित हुआ।

धारेरी जट्टन टोल प्लाजा पर किसानों के धरने से पटियाला-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। अमृतसर के 'गोल्डन गेट' पर किसानों ने धरना दिया। पुलिस ने वहां फंसे कुछ विदेशी पर्यटकों की मदद के लिए 'ऑटो रिक्शा' की व्यवस्था की और उन्हें स्वर्ण मंदिर तक पहुंचाया

कुछ स्थानों पर यात्रियों को सड़क जाम कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों से बहस करते देखा गया।

भाजपा का 'डबल इंजन' युवाओं पर 'डबल अत्याचार' का प्रतीक बन गया है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकाारियों पर बल प्रयोग की सोमवार को निंदा की और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का ''डबल इंजन'' युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने यह ''अत्याचार'' पेपर लीक और धांधली को छिपाने के लिए किया है।

बीपीएससी की 13 दिसंबर को हुई परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना में विरोध कर रहे प्रदर्शनकाारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने रविवार को पानी की बौछार की और हल्का बल भी प्रयोग किया।

इसके साथ ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के अध्यक्ष समेत 600-700 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, बीपीएससी अभ्यर्थियों पर बिहार की राजग सरकार द्वारा बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज व अमानवीय अत्याचार पेपर लीक और धांधली को छिपाने के लिए किया गया है। युवाओं पर तानाशाही का डंडा चलाकर उनके मनोबल को तोड़ने का प्रयास बेहद शर्मनाक व निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वालों ने पूरे देश में पेपर लीक माफिया का जाल बिछा रखा है, जिससे युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

खरगे ने दावा किया, पिछले सात वर्षों में 70 से अधिक पेपर लीक हुए हैं।

ऑनलाइन पैसा भेजने में अब नहीं होगी गड़बड़ी

ऑनलाइन पैसा अंतरण से पहले मिलेगी लाभार्थी के बैंक खाते के सत्यापन की सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **रिजर्व बैंक ने सोमवार को एक परिपत्र में कहा कि आरटीजीएस और एनईएफटी से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी बैंकों को सलाह दी जाती है कि वे एक अप्रैल, 2025 से पहले यह सुविधा प्रदान करें।**

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऑनलाइन पैसा अंतरित करने में होने वाली गड़बड़ी को रोकने के लिए कदम उठाया है। इसके तहत केंद्रीय बैंक ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम से एक ऐसी सुविधा विकसित करने को कहा है जिससे आरटीजीएस और एनईएफटी का उपयोग करने वाले ग्राहकों को उस बैंक खाते के नाम को सत्यापित करने की अनुमति मिल सके जिसमें पैसा भेजा जा रहा है।

यह व्यवस्था एक अप्रैल, 2025 से प्रभाव में आएगी।

रिजर्व बैंक ने सोमवार को एक परिपत्र में कहा कि 'रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' (आरटीजीएस) यानी वास्तविक समय पर भुगतान से जुड़ी प्रणाली और 'राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण' (एनईएफटी) प्रणाली से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी बैंकों को सलाह दी जाती है कि वे एक अप्रैल, 2025 से पहले यह सुविधा प्रदान करें।

वर्तमान में, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) व्यवस्था के तहत पैसा भेजने वालों को प्रक्रिया शुरू करने से पहले लाभार्थी के नाम को सत्यापित करने की सुविधा है।

आरबीआई ने एक ऐसी ही सुविधा स्थापित करने का निर्णय लिया है। इससे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करके लेनदेन शुरू करने से पहले पैसा भेजने वाले को लाभार्थी के बैंक खाते के नाम को सत्यापित करने की सुविधा मिलेगी।

थियेटर भगदड़ मामला

अल्लू अर्जुन की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की एक अदालत ने 'पुष्पा-2' के प्रदर्शन के दौरान हैदराबाद के एक थिएटर में मची भगदड़ में एक महिला की मौत के मामले में तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन की जमानत अर्जी पर फैसला सोमवार को सुरक्षित रख लिया। हैदराबाद के द्वितीय अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश ने अल्लू अर्जुन के वकील और जवाबी याचिका दायर करने वाली पुलिस की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला तीन जनवरी 2025 तक के लिए सुरक्षित रख लिया। मामले में आरोपी नंबर 11 के रूप में नामजद अल्लू अर्जुन ने पहले अदालत में नियमित जमानत याचिका दायर की थी और 27 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश हुए थे।

नायडू सबसे अमीर मुख्यमंत्री, ममता के पास सबसे कम संपत्ति : एडीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपए है।

भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपए थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपए है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है।

देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपए है।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपए से अधिक की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया 51 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं, जबकि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं।

खांडू पर सबसे ज्यादा 180 करोड़ रुपए की देनदारी भी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिद्धरमैया पर 23 करोड़ रुपए और नायडू पर 10 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारियां हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि 13 (42 प्रतिशत) मुख्यमंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि 10 (32 प्रतिशत) ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जिनमें हत्या के प्रयास, अपहरण, रिश्वतखोरी और आपराधिक धमकी से संबंधित मामले शामिल हैं। देश के 31 मुख्यमंत्रियों में से केवल दो महिलाएं पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी और दिल्ली की मुख्यमंत्री अतिशी हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्म की अवधारणा

नहीं धर्म वह श्रेष्ठ कभी भी,
जो भय से स्वीकारा जाता।
होता नहीं धर्म का कोई,
नारों हथियारों से नाता।
राष्ट्र मनुजता के विरुद्ध मत,
धर्म नहीं कोई सिखलाता।
स्वार्थ सिद्धि हित कृत्य सदा ही,
धर्म नहीं व्यापार कहाता।।

सोमवती अमावस्या पर लाखों ने किया गंगा स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/एजेन्सी। वर्ष का अंतिम सोमवती अमावस्या के स्नान के मौके पर सोमवार को देश भर से आए श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई तथा अपने पितरों के प्रति स्नान, दान, तर्पण, पिंडदान आदि किया। साथ ही श्रद्धालुओं ने अपने परिवार एवं देश की शांति एवं कल्याण की कामना की। पंजाब से आई श्रद्धालु अंकिता ठाकुर का कहना है कि साल का अंतिम स्नान होने के कारण वह परिवार के साथ यहां स्नान करने आई है जिससे उन्हें काफी आनंद की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि सोमवती अमावस्या में स्नान करने से जहां पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है वही मनवांछित फल मिलता है।

राजस्थान से आए श्रद्धालु अशोक कुमार का कहना है कि मां गंगा ने उन्हें यहां बुलाया है और मां गंगा की कृपा से ही वह यहां स्नान करने आए हैं।

नए साल का जश्न मनाना हराम : फतवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेलवी मसलक के चश्म ए दारूल इफ्ता ने नए साल का जश्न मनाने और मुबारकबाद देने को गैर इस्लामी करार देते हुए एक फतवा जारी करके मुसलमानों को इससे दूर रहने की हिदायत दी है।

दारूल इफ्ता के मुख्य मुफ्ती और ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने रविवार को जारी फतवे में कहा है कि नए साल का जश्न मनाना, मुबारकबाद देना और इस अवसर पर पार्टियां आयोजित करना इस्लामी नजरिये से नाजायज है।

फतवे में कहा गया है कि जनवरी से शुरू होने वाला नया साल ईसाईयों का नया साल है और यह विशुद्ध रूप से ईसाईयों का धार्मिक कार्यक्रम है इसलिए मुसलमानों का नए साल का जश्न मनाना जायज नहीं है। इसमें कहा गया है कि इस्लाम इस तरह के कार्यक्रमों को सख्ती के साथ रोकता है।

फतवे में मुसलमानों से कहा गया है कि दूसरे मजहबों को मानने वालों के धार्मिक त्यौहारों में शामिल होने या उन्हें खुद आयोजित करने से बचें और दूसरे मुस्लिमों को भी रोंके।

फतवा किसी धार्मिक मसले पर पूछे गए सवाल पर मुफ्ती द्वारा जारी जवाब का दस्तावेज होता है। हालांकि फतवे को मानना वांछनीय होता है लेकिन बाध्यकारी नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

सोमवती अमावस्या के उपलक्ष्य में जैन सेवा मंडल बेंगलूरु कैंट के सदस्यों ने तिम्मैया रोड स्थित किशनलाल फूलचंद लुनिया मेटरनिटी होम का पास अन्नदान किया। इस अवसर पर ताराचंद लुणावत, उत्तमचंद लुणावत, इंदरचंद भीलवाड़िया, अशोक खिंवसरा, आनंद चुतर, मांगीलाल, विजयराज सुराणा सहित अनेक सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा

सोमवती अमावस्या मे अवसर पर सोमवार को जैन युवक संघ हलसूर ने गुरु प्रसाद के रूप में अन्नदान का आयोजन किया। अलसूर मेट्रो स्टेशन के पास आयोजित कार्यक्रम में युवक संघ एवं श्रावक संघ के पदाधिकारी ने सेवा प्रदान की। इस मौके पर अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

मैसूरु के जीतो चैप्टर द्वारा श्रमण आरोग्य के संयोजक राजन बागमार के नेतृत्व में शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों के दर्शन किए तथा जीतो मैसूर द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं की जानकारी दी। जैन स्थानक भवन में विराजित संतश्री राजेश मुनिजी ने जीतो द्वारा की जा सेवाओं की अनुमोदना की। साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी ने कहा कि जीतो की सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया। इस मौक़े पर जीतो मैसूर के उपचैयरमैन भेरूलाल पितलिया, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सचिव रमेश नौलखा आदि भी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या अन्नदान

शहर के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के समीप में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा अमावस्या महाप्रसादी का 83वां आयोजन सोमवार को संपन्न हुआ, जिसमें करीब पांच हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद पाया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने बताया कि इस बार का महाप्रसाद वितरण स्वर्गीय रणजीतमल कानूंगा की स्मृति में किया गया। इस अन्नदान सेवा में अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चौपड़ा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, प्रकाशचंद बाफना, अनिल पोकरणा सहित अनेक सदस्यों ने सेवा दी।

कश्मीर के गुलमर्ग, पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड जारी है और तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया है। हालांकि घाटी के अन्य हिस्सों में सर्दी से कुछ राहत मिली है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में 'स्कीइंग' गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात की तुलना में दो डिग्री कम है।

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 9.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस नीचे था।

श्रीनगर में रात के समय तापमान शून्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है।

मौसम विभाग ने बताया कि कश्मीर के प्रवेशद्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि कोनीबल में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दक्षिणी कश्मीर के कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से एक डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। घाटी में कुपवाड़ा एकमात्र ऐसा स्थान रहा जहां न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर रहा।

वर्तमान में कश्मीर घाटी 'चिल्ला-ए-कलां' (सर्वाधिक ठंड की अवधि) की चपेट में है। इसे सर्दियों का सबसे कठिन समय माना जाता है, जो 21 दिसंबर से शुरू हुआ था।

'चिल्ला-ए-कलां' की 40 दिनों की अवधि के दौरान सबसे अधिक बर्फबारी होती है।

'चिल्ला-ए-कलां' अगले साल 30 जनवरी को खत्म हो जाएगा, लेकिन शीतलहर जारी रहेगी। 40 दिनों के बाद 20 दिवसीय 'चिल्ला-ए-खुर्द' और 10 दिन का 'चिल्ला-ए-बच्चा' भी होगा जब घाटी में ठंड में धीरे-धीरे कमी आएगी।

बीकानेर जैन परिषद का स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीकानेर जैन परिषद का दूसरे स्नेह मिलन सम्पन्न हुआ जिसमें क्षेत्र के 850 से अधिक सदस्यो की उपस्थिति रही। स्नेह मिलन में होस्ट बिंदु मेहता द्वारा सदस्य परिवारजनों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों व गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्नेह मिलन में शामिल सभी परिवारों को उपहार भेंट किए गए तथा लक्की ड्रा कूपन द्वारा अन्य कई उपहार दिए गए। स्नेह मिलन में परिषद् के प्रथम नवमनोनीत अध्यक्ष विनोद पारख ने अपनी टीम की घोषणा की। उपाध्यक्ष के रूप मे जसकरण सुराणा, कन्हैयालाल छाजेड, मनोज भंडावत, मंत्री संजय सिपानी, सहमंत्री कमलेश चोपडा एवं श्रेयांस गोलछा, कोषाध्यक्ष बजरंग सिपानी, संगठन मंत्री आलोक गंग, प्रचार प्रसार मंत्री विकास बाँठिया को शपथ दिलवाई गई। संरक्षक के रूप में शांतिलाल सांड, कमल सिपानी, जयचंदलाल डागा, इंदरचंद सांड एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का संचालन विकास बाँठिया ने किया। स्नेह मिलन के संयोजक श्रेयांस गोलछा सहित अन्य सदस्यों ने विशेष सहयोग दिया। श्रेयांस गोलछा ने सभी को धन्यवाद दिया।

'सभा आपके द्वार' पहल के तहत तेरापंथ परिवारों से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा सभा आपके द्वार उपक्रम का आयोजन सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली के नेतृत्व में श्रीरामपुरम क्षेत्र में किया गया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के सभी तेरापंथी परिवारों के घरों में जाकर उनकी सार सँभाल करना,पारिवारिक सौहार्द को प्रोत्साहन देना, सभा, महासभा, ज्ञानशाला तथा अन्य संघीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए परिवारजनों को संघीय संस्थाओं से जुड़ने हेतु प्रेरित करना और साधार्मिक बंधुओं से संपर्क स्थापित करना।

यात्रा के दौरान तेरापंथ कार्ड, माइनॉरिटी सर्टिफिकेट और तेरापंथ नेटवर्क की जानकारी भी प्रदान की जा रही हैं। यात्रा के तहत सभी परिवारो का सकारात्मक सहयोग प्राप्त हो रहा है।

सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभा की गतिविधियों एवं महासभा के आयामों की जानकारी प्रदान की ।

इस यात्रा में संगठन मंत्री राजेंद्र बाफना, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, एरिया प्रतिनिधि अशोक श्रीश्रीमाल,राजेश सिसोदिया, महेंद्र सकलेचा का सहयोग रहा ।

हनुमंतनगर तेरापंथ भवन में भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। श्रावक-निष्ठा पत्र का वाचन महावीर बोल्या द्वारा किया गया।

उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला यह एक विशिष्ट कार्यशाला है। आजकल की नवपीढ़ी को तेरापंथ व तेरापंथ के मौलिक सिद्धांत एवं मर्यादाओं की जानकारी दी जाती है । सभा अध्यक्ष गौतम दक एवं भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला राष्ट्रीय सह प्रभारी राकेश पोखरना ने कार्यशाला के बारे में भूमिका प्रस्तुत की।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने भिक्षु विचार दर्शन को बड़ी सरलता से समझाया। दान, दया, अनुकंपा सहित अभिनिष्क्रमण के मूलभूत कारणों को स्पष्ट किया तथा सभी को सिद्धान्तों को समझने और दृढ़ता से जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

इस कार्यशाला में सभा मंत्री हेमराज मांडोत, सभा कोषाध्यक्ष नाथुलाल बोल्या, महिला मण्डल अध्यक्ष सरोज जी दुगड़, अणुव्रत समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी, तेयुप परामर्शक प्रकाश बोल्या, बालचंद चावत, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चौपड़ा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री संदीप चौधरी ने किया।

मनमोहन सिंह की मौत पर राजनीति कर रही है कांग्रेस: किशन रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को लेकर राजनीति कर रहा है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह सच है कि एआईसीसी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कई मौकों पर सिंह का अपमान किया है।

रेड्डी तेलंगाना भाजपा प्रमुख भी हैं।

भाजपा नेता ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस पार्टी ने सिंह की मौत का राजनीति के लिए इस्तेमाल किया है। यह कांग्रेस पार्टी की संस्कृति विहीनता को दर्शाता है। रेड्डी ने कहा कि जैसे ही सिंह की मृत्यु की खबर सामने आई, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वोच्च सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि यह भी घोषणा की गई कि केंद्र सरकार सिंह के नाम पर एक स्मारक बनाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि हर कोई जानता है कि कांग्रेस पार्टी ने पी वी नरसिंह राव और प्रणब मुखर्जी जैसे अपने नेताओं के प्रति कैसा व्यवहार किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी मगरमच्छ के आंसू बहा रही है। सोनिया गांधी और उनके परिवार के सदस्यों ने सिंह का अपमान किया है। हम सभी यह जानते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश को मीडिया की मौजूदगी में सार्वजनिक रूप से फाड़ दिया और इसे बकवास करार दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां विभिन्न राज्य सरकारों ने मनमोहन सिंह के निधन पर सात दिन का शोक घोषित किया है वहीं राहुल गांधी नए साल के जश्न में भाग लेने के लिए वियतनाम चले गए।

'जीतो' जेबीएन वी प्रेन्यूर्स की बैठक में हुई व्यवसायिक चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो पगारिया जेबीएन वी-प्रेन्यूर्स ने चामराजपेट स्थित जीतो ऑफिस में बैठक का आयोजन किया। सदस्याओं ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए 30-सेकंड की व्यावसायिक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में एक दूसरे के साथ संपर्क सत्र भी शामिल था, जिसमें सदस्याओं ने एक-दूसरे के व्यवसायों को 30 सेकंड में प्रस्तुत करते हुए सहयोग किया।

बैठक में रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी, रेफरल सचिव ज्योति कोचेटा आदि उपस्थित थीं। इस बैठक में सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड व्यावसायिक प्रस्तुति के लिए रचिता सुराणा, सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय प्रस्तोता के रूप में मीनल गुलेच्छा, शीर्ष व्यवसाय योगदानकर्ता के लिए चेतना लुंकड़, सर्वश्रेष्ठ अवसर लाभान्वित के लिए मेहक जैन का सम्मान किया गया।

जोधपुर एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के माहेश्वरी भवन में जोधपुर एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन सम्पन्न हुआ। संचालन करते हुए उपाध्यक्ष सज्ञनराज मेहता ने बताया कि इस स्नेह मिलन में अध्यक्ष कैलाश भन्साली ने सभी का स्वागत करते हुए नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दी। मंत्री राजेश भण्डारी ने कार्यकारिणी सभा के प्रस्तावों से अवगत कराया और बताया कि 23 मार्च को होली स्नेह मिलन होगा। जोधपुर में स्मार्ट क्लासेज के लिए किए सामाजिक योगदान की अनुमोदना की गई। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु में शीघ्र ही मेडिकल शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर संरक्षक धीरेन्द्रकुमार सिंघी, पदमराज मेहता, लक्ष्मीचन्द भण्डारी(टाइसा), राजेन्द्र लोढा, अध्यक्ष ,मंत्री ,उपाध्यक्ष, सहमंत्री कमलराज भण्डारी, नरेंद्र भण्डारी, कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा ने स्नेह मिलन के प्रायोजक निर्मला मिलापचंद भंडारी परिवार का सम्मान किया।

ज्ञानचंद -प्रकाश भण्डारी ने अगले वर्षों में नूतन वर्ष स्नेह मिलन प्रायोजक के रूप में अपने नाम की घोषणा की। आयोजन की व्यवस्था में संरक्षक राजेन्द्र लोढा, पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास, मंत्री राजेश भण्डारी, महेन्द्रराज भण्डारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

उत्तरप्रदेश अग्रवाल सेवा समाज का दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर केउत्तरप्रदेश अग्रवाल सेवा समाज के सदस्यपरिवारों ने शहर के एक रिसोर्ट पर दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया जिसमें बड़ी संक्या में समाज के सदस्य परिवार सहित उपस्थित हुए। इस आयोजन में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई तथा समाजहित में अनेक निर्णय लिए गए। समाज के बच्चों व महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजक खेलों व गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसका सभी ने खूब आनंद उठाया। स्नेह मिलन में समाज के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार जिन्दल, उपाध्यक्ष सूरज अग्रवाल,हृिदेश गुप्ता, मंत्री धमेन्द्र गुप्ता,सहमंत्री संदीपकुमार, कोषाध्यक्ष दिनेश मित्तल, सहकोषाध्यक्ष विनय गोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कई विकासशील, गरीब देशों में अवैध धन प्रवाह के लिए कमजोर संस्थान जिम्मेदार : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। कई विकासशील और गरीब देशों में अवैध धन प्रवाह के लिए कमजोर संस्थान जिम्मेदार हैं। विदेश मंत्रालय में सचिव दम्मू रवि ने यह बात कही है। उन्होंने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि अवैध वित्तीय प्रवाह को कम करने के लिए छपी हुई मुद्रा पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, कर संरचना में कमियों को दूर करने की जरूरत है... कई देशों में कमजोर संस्थान अवैध धन प्रवाह के लिए जिम्मेदार हैं।

रवि ने कहा कि 'वैश्विक दक्षिण' देशों को अवैध वित्तीय प्रवाह को कम करने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा विकसित करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड महामारी के चलते कई देशों पर कर्ज बढ़ गया है।

बातचीत

बीजद अध्यक्ष और विपक्ष के नेता नवीन पटनायक सोमवार को गंजम जिले में कटाई के दौरान फसल नुकसान से प्रभावित किसानों से बातचीत करते हुए।

एनसीडब्ल्यू की टीम ने छात्रा से हुए यौन उत्पीड़न मामले की जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के एक तथ्यान्वेषी दल ने सोमवार को अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के साथ हुए यौन उत्पीड़न के मामले की जांच शुरू कर दी है। सोमवार को उनके आंदोलन के लिए पुलिस द्वारा अनुमति न दिए जाने के आरोप के बीच विपक्षी अन्नाद्रमुक (अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के कई सदस्यों ने पूरे तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन करने का प्रयास किया और दावा किया कि यौन उत्पीड़न मामले में एक अन्य व्यक्ति भी शामिल है। इस मामले में पुलिस पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है। आंदोलन कर रहे अन्नाद्रमुक के सैकड़ों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। शाम को उन्हें रिहा किए जाने की संभावना है।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पिछले सप्ताह विश्वविद्यालय परिसर में 19 वर्षीय छात्रा के साथ हुए कथित दुष्कर्म की घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए घटना की जांच के लिए दो सदस्यीय तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया।

एनसीडब्ल्यू की सदस्य ममता कुमारी और महाराष्ट्र के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रवीण दीक्षित की टीम ने जांच के लिए विश्वविद्यालय का दौरा किया। तथ्यों का पता लगाने के लिए वे पीड़िता, उसके परिवार, दोस्तों और संबंधित अधिकारियों के अलावा गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलने वाले हैं। महिला आयोग का यह दल घटना के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों का पता लगाने, की गई कार्रवाई का आकलन करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय प्रस्तावित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

इस बीच तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष और अभिनेता विजय ने सवाल किया कि राज्य में महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने का काम किसे सौंपा जाना चाहिए। प्यारी बहनों को संबोधित एक हस्तलिखित पत्र उनकी पार्टी द्वारा सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया गया। उसमें उन्होंने कहा यह सर्वविदित है कि जो लोग हम पर शासन करते हैं, उनसे पूछना व्यर्थ है, चाहे हम उनसे कितनी भी बार पूछें। यही कारण है कि यह पत्र लिखा गया है।

टीवीके नेता ने कहा कि हर दिन महिलाएं बड़े पैमाने पर अत्याचार, गलत आचरण और यौन अपराधों का शिकार होती हैं और उनके भाई के रूप में उनकी पीड़ा देखकर अवसाद और असहनीय दर्द से गुजर रहा हूं। विजय ने उनके साथ खड़े होने और एक भाई की तरह उनकी रक्षा करने का आश्वासन देते हुए कहा, किसी भी चीज की चिंता मत करो, लेकिन अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करो। हम एक सुरक्षित तमिलनाडु बनाएंगे। हम जल्द ही मिलकर ये सुनिश्चित करेंगे।

महिला सशक्तिकरण

चेन्नई में कामराज कॉलेज, थूथुकुडी में आयोजित एक सरकारी समारोह में मासिक रु. इनोवेशन वूमेन एक्सपेंशन प्रोग्राम शुरू करने के लिए 1000/- रुपये का डेबिट कार्ड मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और समाज कल्याण और महिला अधिकार मंत्री श्रीमती बी. गीता ज़ेयान ने दिया।

विजय ने राज्यपाल रवि से मुलाकात कर राज्य में महिलाओं के लिए सुरक्षा की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में एक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंदर एक छात्रा के यौन उत्पीड़न को लेकर तमिलनाडु में व्याप्त आक्रोश के बीच, अभिनेता-नेता विजय ने सोमवार को राज्यपाल आरएन रवि से राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

तमिला वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने यहां राजभवन में राज्यपाल रवि से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने इस मुद्दे पर राजभवन का दरवाजा खटखटाने के लिए विजय की सराहना की। टीवीके की विज्ञप्ति के अनुसार, इस नवगठित पार्टी के नेता की मांगों में कानून-व्यवस्था की रक्षा' करना भी शामिल है।

टीवीके महासचिव एन. आनंद की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, ज्ञापन में हमने तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की रक्षा के लिए कदम उठाने के अलावा सभी स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की मांग की है। इसके अलावा, पार्टी ने चक्रवात फेंगल से प्रभावित लोगों की राहत के लिए केंद्रीय धनराशि जारी करने के वास्ते भी कदम उठाने पर जोर दिया। इसमें कहा गया है कि प्रभावित लोगों को अभी तक राहत नहीं मिली है और केंद्र को तमिलनाडु द्वारा मांगी गई राशि जारी करनी चाहिए। राज्य ने पहले 2,000 करोड़ रुपये की अंतरिम राहत मांगी थी। मुलाकात के दौरान विजय के साथ आनंद भी मौजूद थे। इससे पहले दिन में विजय ने जानना चाहा था कि राज्य में महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने के लिये किसे कहा जाना चाहिए? प्यारी बहनों को संबोधित एक हस्तलिखित पत्र में उन्होंने कहा, यह सर्वविदित है कि जो लोग हम पर शासन करते हैं, उनसे पूछना व्यर्थ है, चाहे हम उनसे कितनी भी बार पूछें। यह पत्र इसी के लिए है। इस पत्र को उनकी पार्टी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया गया।

इस बीच, तमिलनाडु भाजपा के नेता अन्नामलाई ने राज्यपाल से विजय की मुलाकात का स्वागत किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि यौन उत्पीड़न मामले को भटकाने' का प्रयास किया जा रहा है और कहा कि हमारी बहन को न्याय दिलाने के लिए सभी दलों के पदाधिकारियों को भाई की तरह आगे आना चाहिए।

अन्नामलाई ने कहा, द्रमुक शासन में महिलाओं की सुरक्षा में कमी को लेकर विजय द्वारा राज्यपाल से मुलाकात करने का भाजपा स्वागत करती है।

अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न मामला :

एबीवीपी का द्रमुक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय में कथित यौन उत्पीड़न मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए सोमवार को दिल्ली में तमिलनाडु भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। एबीवीपी की राष्ट्रीय सचिव शिवांगी खरवाल ने इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा, हम अन्ना विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न का शिकार हुई छात्रा के लिए न्याय की मांग करते हैं। सभी पहलुओं पर जांच होनी चाहिए और तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।

एबीवीपी ने एक बयान में कहा कि यह मामला 23 दिसंबर की रात को अन्ना विश्वविद्यालय की 19 वर्षीय छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म से जुड़ा है, जिससे छात्र संघों में आक्रोश फैल गया है। एबीवीपी दिल्ली के राज्य सचिव हर्ष अत्री ने कहा कि अन्ना विश्वविद्यालय में एक विद्यार्थी का यौन उत्पीड़न बेहद दुखद है। उन्होंने कहा, ''हम तत्काल जांच और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं।

एबीवीपी पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए लड़ाई जारी रखेगी।'' प्रदर्शनकारियों ने ''एमके स्टालिन, जागो'' और ए''बीवीपी कार्यकर्ताओं को रिहा करो'' जैसे नारे लगाए और इस दौरान उन्होंने ''एबीवीपी महिलाओं के सम्मान के लिए खड़ी है'' नारे लिखी तख्तियां हाथ में ले रखी थीं। प्रदर्शन में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह और सचिव मित्रविंदा कर्णवाल सहित सैकड़ों छात्र शामिल हुए।

राज्य में समर्पित गृहमंत्री और सशक्त पुलिस बल की आवश्यकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के भाजपा प्रवक्ता ए.एन.एस.प्रसाद ने विज्ञप्ति में बताया कि द्रमुक शासन के तहत तमिलनाडु पुलिस की अक्षमता हाल ही में अन्ना विश्वविद्यालय में हुए यौन उत्पीड़न मामले से उजागर हुई है, जबकि राज्य में अपराध की दर आसमान छू रही है और यह हिंसा का केंद्र बन गया है। अयोग्यता और कुप्रबंधन के कारण प्रशासनिक चूक से जनता का भरोसा खत्म हो रहा है और सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु पुलिस की निष्क्रियता और मामले को दबाने की कोशिशों ने जनता का भरोसा खो दिया है। चेन्नई के पुलिस कमिश्नर को जवाब देना चाहिए? अपराध के दौरान आरोपी किससे बात कर रहा था? पुलिस की जांच में विफलता और मामले को दबाने की कोशिशों ने जनता का भरोसा खो दिया है। विश्वास बहाल करने के लिए, मुख्यमंत्री स्टालिन को एक समर्पित गृह मंत्री नियुक्त करना चाहिए, जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सुधारों को लागू करना चाहिए और पुलिस कर्मियों के मामलों के लिए एक अलग अदालत की स्थापना करनी चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि तमिलनाडु पुलिस ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठता और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाली, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करने वाली पुलिस का प्रतीक बनेगी।।

द्रमुक सरकार की प्राथमिकताएं पक्षपातपूर्ण हैं, जो नागरिकों के कल्याण की बजाय 2026 के चुनावों और पार्टी कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रभावी शासन के लिए जवाबदेही और पारदर्शिता की आवश्यकता होती है। एक समर्पित गृह मंत्री तमिलनाडु पुलिस की जवाबदेही, पारदर्शिता और नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। पुलिसकर्मियों के मामलों की जांच अलग-अलग अदालतों में की जाएगी। तमिलनाडु पुलिस के पुनरुद्धार के लिए एक समर्पित गृह मंत्री, जवाबदेही सुधार और पुलिस मामलों के लिए एक अलग अदालत की आवश्यकता है। यह पुनरुद्धार न्याय, नागरिकों के अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखेगा।

तमिलनाडु सरकार को हत्या, डकैती, बलात्कार, चोरी और अवैध शराब की तस्करी सहित अपराधों में वृद्धि को संबोधित करना चाहिए। मुख्यमंत्री स्टालिन को नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए। एक समर्पित गृह मंत्री की नियुक्ति और सुधारों को लागू करने से तमिलनाडु पुलिस में नई जान आएगी, न्याय और नागरिकों के अधिकारों को कायम रखा जा सकेगा।

कांग्रेस नेता की मौत :

माकपा ने विधायक कार्यालय तक निकाला विरोध मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कांग्रेस विधायक आई सी बालाकृष्णन के कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला और देश की सबसे पुरानी पार्टी के एक स्थानीय नेता की हाल में हुई कथित आत्महत्या के मामले में उनके इस्तीफे की मांग की। वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के कोषाध्यक्ष और सुल्तान बाथरी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष एन एम विजयन (78) और उनके बेटे जिजेश (38) ने शुक्रवार को कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अंतिम सांस ली। प्रदर्शनकारियों ने इस मामले में व्यापक जांच की मांग की।

बाथरी स्थित विधायक कार्यालय के पास वामपंथी कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधकों को लांघने की कोशिश की। महिलाओं सहित प्रदर्शनकारियों ने विधायक के खिलाफ नारे लगाए, उनके इस्तीफे की मांग की तथा पुलिस से मामले की व्यापक जांच करने का आग्रह किया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वालों में माकपा की वायनाड जिला इकाई के सचिव के रफीक और अन्य स्थानीय नेता शामिल थे। इस बीच कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि आई सी बालाकृष्णन अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर जिला पुलिस प्रमुख के समक्ष शिकायत दर्ज कराएंगे।

विजयन वायनाड में कांग्रेस के एक प्रमुख नेता थे और उनके बेटे सुल्तान बाथरी सहकारी बैंक के पूर्व कर्मचारी थे। दोनों की मौत से जिले में राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। उनकी मौत के तुरंत बाद आरोप सामने आए कि विजयन ने पार्टी के पदाधिकारी के रूप में, विधायक बालकृष्णन के निर्देश पर कांग्रेस द्वारा नियंत्रित सहकारी बैंक में नौकरी पाने की इच्छा रखने वाले कई लोगों से पैसे लिये थे। ऐसी भी खबरें थीं कि वादे के अनुसार नौकरी के लिए नियुक्ति नहीं दिए जाने के कारण दिवंगत नेता ने हाल ही में केपीसीसी प्रमुख को एक पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप का अनुरोध किया था। हालांकि आई सी बालाकृष्णन ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, लेकिन माकपा के जिला नेतृत्व ने रविवार को पुलिस से विजयन और उनके बेटे की मौत के मामले में उनके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाने का आग्रह किया।

पुलिस ने कहा कि विजयन और उनके बेटे जिजेश ने अपने घर पर कथित तौर पर जहर खा लिया और मंगलवार को उनके पड़ोसियों ने उन्हें गंभीर हालत में पाया। उन्हें पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया गया।

विधायक उमा थॉमस की हालत अभी भी गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल में त्रिक्कारा से कांग्रेस की विधायक उमा थॉमस की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें रविवार शाम जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की गैलरी से गिर जाने के कारण सिर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई हैं। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस बीच कोच्चि शहर पुलिस ने सोमवार को आयोजकों के खिलाफ कार्यक्रम के आयोजन में सुरक्षा चूक और सुरक्षा मानदंडों का पालन किए बिना मंच तैयार करने के आरोप में मामला दर्ज किया। उमा थॉमस की हालत गंभीर है। उन्हें सिर और रीढ़ की हड्डी में चोटें आई हैं तथा उन्हें 'वेंटिलेटर सपोर्ट' पर रखा गया है। वह कथित तौर पर स्टेडियम की लगभग 15 फीट ऊंची 'वीआईपी गैलरी' से गिर गई थीं। वह स्टेडियम में 'मृदंग नादम' नामक कार्यक्रम में भाग लेने आई थीं, जहां अभिनेत्री और नर्तकी दिव्या उन्नी सहित लगभग 12,000 नर्तकियों ने भरतनाट्यम का प्रदर्शन किया था। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाना था। पुलिस ने बताया कि पलारिवाट्टम पुलिस ने कार्यक्रम के आयोजकों और कोच्चि की 'इवेंट मैनेजमेंट' फर्म के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। इससे पहले कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त पुट्टा विमलादित्य ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि विधायक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उन्हें 'वेंटिलेटर सपोर्ट' पर रखा गया है। अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, उनके सिर और रीढ़ की हड्डी में चोटें आई हैं, साथ ही पसलियों में फ्रेक्चर के कारण फेफड़ों में आंतरिक रक्तस्राव हुआ है। सूत्रों ने बताया कि स्टेडियम की वीआईपी गैलरी' से गिरने के बाद उनका सिर जमीन पर जा लगा। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, अगली पंक्ति की सीटों और गैलरी के किनारे के बीच सीमित स्थान था, जहां रिबन बांध कर अवरोधक लगाया गया था। अधिकारियों के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग की एक विशेषज्ञ मेडिकल टीम उमा की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करेगी। कोट्टायम मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. जयकुमार के नेतृत्व वाली टीम में कोट्टायम सरकारी मेडिकल कॉलेज और एर्नाकुलम सरकारी मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों के अलावा अस्पताल का मौजूदा मेडिकल बोर्ड भी शामिल है।

केरल के लिए आपदाओं, घोटालों और राजनीतिक उतार-चढ़ाव से भरा रहा यह साल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वायनाड के तीन गांवों को नष्ट करने वाले विनाशकारी भूस्खलन, लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का शानदार प्रदर्शन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा की पहली चुनावी जीत ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं हैं जिन्होंने 2024 में केरल के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को आकार दिया। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के जरिए मलयालम फिल्म उद्योग में यौन शोषण और उत्पीड़न के खुलासे के साथ ही राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक एवं अभिनेता एम. मुकेश सहित कुछ प्रमुख अभिनेताओं के खिलाफ बलात्कार के आरोप लगे।

मूसलाधार बारिश के कारण वायनाड के चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों में 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई, कई लोग घायल हुए और हजारों लोग बेघर हो गए। इसे केरल के इतिहास की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं में से एक माना जाता है। सैकड़ों लोग मलबे में दब गए और कई लोगों को सेना एवं अन्य बचाव एजेंसियों ने बाहर निकाला। इस आपदा ने दक्षिणी राज्य में बेहतर आपदा प्रबंधन और तैयारियों की तत्काल आवश्यकता को फिर से उजागर कर दिया। जलवायु परिवर्तन के कारण राज्य को अक्सर मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। राज्य में पुनर्वास के प्रयास धीमे होने के कारण इस आपदा के पीड़ितों का जीवन पटरी पर नहीं लौट पा रहा। राज्य सरकार ने आरोप लगाया है कि इस धीमी गति का कारण केंद्र सरकार का कथित भेदभावपूर्ण रवैया है जिसके खिलाफ उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

पुनर्वास प्रयासों को लागू करने में एक और बाधा उस समय दूर हो गई जब केरल उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि सरकार भूस्खलन से पीड़ितों के लिए एक 'मॉडल टाउनशिप' बनाने के लिए दो निजी संपदाओं से भूमि का अधिग्रहण कर सकती है और इसी के साथ अदालत ने सरकार के निर्णय को चुनौती देने वाली कंपनियों की याचिकाओं को खारिज कर दिया।

राजनीतिक क्षेत्र में केरल में कुछ आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिले। लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा(एलडीएफ) को हराया। यूडीएफ ने 18 लोकसभा सीट जीतीं, जबकि वामपंथी केवल एक सीट जीत सके। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए खुशी की बात यह रही कि दक्षिणी राज्य में उसने अपनी पहली लोकसभा सीट जीती। त्रिशूर के मतदाताओं ने अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी को समर्थन देकर भाजपा को इस सीट से जिताया।

हाथी के हमले में युवक की मौत पर केरल के मंत्री ने कहा : ऐसी घटनाएं रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे

इडुक्की/भाषा। केरल के सिंचाई मंत्री रोशी ऑगस्टीन ने सोमवार को कहा कि सरकार वन्यजीवों के हमलों को रोकने के लिए बाड़ लगाने सहित अन्य कदम उठाएगी। मंत्री ने मुल्लारिंगाडु निवासी 22 वर्षीय अमर इलाही के घर का दौरा किया। रविवार को जंगली हाथी के हमले में उसकी मौत हो गई थी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएंगे।

उनके दौरे के दौरान निवासियों ने क्षेत्र में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मंत्री से जंगली जानवरों को आवासीय क्षेत्रों से दूर रखने के लिए सोलर फेंसिंग (सौर उर्जा चालित बाड़) लगाने जैसे प्रभावी कदम लागू करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा कि वन अधिकारियों को क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

वन मंत्री ए के ससीन्द्रन ने घोषणा की कि सरकार अमर के परिवार को मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपये प्रदान करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि उन्होंने मुख्य वन्यजीव वार्डन से घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने राज्य सरकार और वन विभाग की कड़ी आलोचना की तथा उन पर वन्यजीवों के हमले जारी रहने के बावजूद कोई कदम न उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जान-माल की सुरक्षा के अपने कर्तव्य की उपेक्षा करती रही तो विपक्षी गठबंधन यूडीएफ जनता को संगठित कर विरोध प्रदर्शन शुरू करेगा।

उद्घाटन

थूथुकोडी में रविवार को उद्योग, निवेश संवर्धन और व्यापार विभाग की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में 32.50 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं से निर्मित एक मिनी टाइडल पार्क का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। थूथुकुडी जिले में लगभग 600 आईटी पेशेवरों को रोजगार देने के लिए 63,000 वर्ग फुट का क्षेत्र इस कार्यक्रम में समाज कल्याण महिला अधिकार मंत्री श्रीमती बी. गीता जीवन, मत्स्य पालन मछुआरा कल्याण और पशुपालन मंत्री अनिता आर राधाकृष्णन, उद्योग, निवेश संवर्धन और व्यापार मंत्री डॉ. डीआरपी राजा, सांसद आदि उपस्थित थे।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, अनेक स्थानों पर घने से अति घना कोहरा छाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम तापमान में गिरावट के साथ पूर्वी हिस्सों और पश्चिमी हिस्सों के कुछ स्थानों पर शीत दिन से अति शीत दिन दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, सोमवार की सुबह जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, बाड़मेर, जयपुर, कोटा, अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, सीकर में कोहरा दर्ज किया गया। घने कोहरे के कारण राजमार्गों पर वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कोहरे और शीतलहर के चलते सोमवार की सुबह गलन का एहसास हुआ।

विभाग के अनुसार, राज्य में निम्नतम न्यूनतम तापमान सिरोही में 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चित्तोड़गढ़ में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री, जोधपुर में 5.5 डिग्री, डबोक (उदयपुर) में 5.6 डिग्री, जयपुर में 7.2 डिग्री सेल्सियस, और अन्य अनेक स्थानों पर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकतर हिस्सों में रविवार को शीत दिन के कारण अधिकतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज कीगई। इस दौरान प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस से लेकर 25.8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केन्द्र ने कई स्थानों पर कोहरे और शीतलहर की चेतावनी जारी की है।

रेगिस्तान में धरती फाड़कर निकला पानी, नीचे जहरीली गैस की पाइपलाइन, कभी भी हो सकता है रिसाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। जैसलमेर में मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र में शनिवार को ट्यूबवेल खुदाई के दौरान पानी का फव्वारा फूट गया। पानी करीब 50 घंटों तक लगातार उसी रफ्तार से बाहर निकलता रहा। किसी के यह समझ में नहीं आया है कि आखिर ये कैसे हो रहा है? शनिवार को सुबह पांच बजे धरती फाड़कर निकलना शुरू हुआ पानी सोमवार की सुबह सात बजे अपने आप बंद हो गया। इधर, उप तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट ललित चारण ने बताया कि जैसलमेर के मोहनगढ़ उप तहसील के 27 बीडी के जोरा माइनर पर ट्यूबवेल खोदते समय जमीन से पानी निकलने की घटना हुई थी। इसके बाद पानी का रिसाव अपने आप बंद हो गया है।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस जगह किसी भी वक्त रिसाव फिर से शुरू हो सकता है। ऐसे में जमीन के नीचे जहरीली गैस का भी रिसाव हो सकता है। उन्होंने कहा कि जमीन धंसने और विस्फोट होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए जिला कलेक्टर ने क्षेत्र में धारा 163 लगाई थी, जोकि अभी भी प्रभावी है। बता दें कि एक किसान के खेत में ट्यूबवेल के लिए बोरिंग का काम चल रहा था। इस दौरान अचानक जमीन फट गई और पानी का तेज फव्वारा फूट पड़ा। ऐसे में मशीन और ट्रक जमीन में दफन हो गए। वहीं जमीन से भारी प्रेशर के साथ पानी निकलने लगा। यह मंजर देखकर ग्रामीण भी डर गए।

जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रताप सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी कर मोहनगढ़ की सुथार मंडी के 27 बीड़ी क्षेत्र में पानी की अनियतंत्रित निकासी वाले बोरवेल के 500 मीटर परिधि को निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर आम नागरिकों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अतिरिक्त जिला कलेक्टर पवन कुमार ने बताया कि अनियंत्रित निकासी वाले बोरवेल का रविवार को केयर्न एनर्जी कंपनी के विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि मोहनगढ़ विकास अधिकारी द्वारा भराव क्षेत्र से पानी निकासी के लिए प्रबंध किए जा रहे हैं। वहीं जोधपुर विद्युत वितरण निगम के द्वारा जलभराव क्षेत्र में आने वाली बिजली लाइनों की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

बेहतर आंकलन से रोजगार और राजस्व में होगी बढ़ोतरी : रविकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में खनिज खोज कार्य का पांच साल का मास्टर प्लान बनाया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि इससे प्रदेश में उपलब्ध खनिज संपदा के एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी आएगी और एक्सप्लोरेशन से खनिजों के डिपोजिट, गुणवत्ता और उपलब्धता का समय पर आंकलन होने से खनिज ब्लॉकों की समय पर और कारगर तरीके से नीलामी हो सकेगी। उन्होंने बताया कि योजनाबद्ध प्रयासों से राजस्थान केवल एक साल में ही मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी से देश में शीर्ष पर आ गया है।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त सोमवार को खनिज भवन में राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट की कार्यकारी समिति की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि आरएसएमईटी को राज्य के मिनरल एक्सप्लोरेशन के पांच साल का मास्टर प्लान शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा संपन्न प्रदेश है और एक्सप्लोरेशन का मास्टर प्लान बनने से योजनाबद्ध तरीके से खनिज ब्लॉकों की नीलामी, खनन और दोहन का कार्य हो सकेगा और इससे प्रदेश में रोजगार और राजस्व के अवसर बढ़ सकेंगे।

रविकान्त ने कहा कि राज्य में मिनरल एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में कार्य कर रही केन्द्र व राज्य सरकार की संस्थाएं परस्पर सहयोग व समन्वय से एक्सप्लोरेशन कार्य को गति दे और कार्यों में डूप्लिकेसी से बचा जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर निजी क्षेत्र के की एक्सप्लोरेशन कार्य में लगी संस्थाओं की भागीदारी भी तय की जाएगी।

रविकान्त ने कहा कि मास्टर प्लान सहित प्रदेश की खनिज संपदा से संबंधित सामग्री को पब्लिक प्लेटफार्म में रखा जाए ताकि पारदर्शिता के साथ ही प्रदेश के माइनिंग सेक्टर में अधिक साधन संपन्न और तकनीकी दृष्टि से सशक्त प्रतिभागी आगे आ सकेंगे और इससे प्रदेश को माइनिंग ब्लॉकों की नीलामी से लेकर खनन तक बेहतर राजस्व भी प्राप्त हो सकेगा और वैज्ञानिक ढंग से खनन होने से जीरो लॉस खनन हो सकेगा। उन्होंने आरएसएमईटी की तकनीकी सलाहकार समिति को और अधिक सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि कार्य में गुणवत्ता बनी रहे।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य में नवीनतम तकनीक के उपयोग की आवश्यकता है ताकि मिनरल की उपलब्धता और गुणवत्ता के आधार पर नीलामी में बेहतर राजस्व प्राप्त हो सके।

आरएसएमईटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एनपी सिंह ने बताया कि आरएसएमईटी द्वारा प्रदेश में एक्सप्लोरेशन से लेकर ड्रिलिंग, सेंपल एनालीसिस और विभागीय लेब के सशक्तिकरण के साथ ही तकनीकी रुप से विभागीय टीम को संसाधन उपलब्ध कराकर सक्षम बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरएसएमईटी द्वारा ऑक्शन के लिए ब्लॉक तैयार कर उपलब्ध कराए गए हैं।

कुलपतियों के दल ने किसानों के साथ किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में राष्ट्रीय संगोष्ठी में एकत्रित हुए देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने इसके दूसरे एवं अंतिम दिन कृषि महाविद्यालय जोबनेर का दौरा किया और बस्सी-झांझड़ा गांव का भ्रमण कर किसानों के साथ संवाद किया। कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर और इंडियन एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन कुलपतियों और अधिकारियों ने कृषि महाविद्यालय जोबनेर का दौराकर छात्रों द्वारा तैयार मृदा प्रोफाइल, बीज उत्पादन, मधुमक्खी पालन, एरोपोनिक्स और जैवविविधता मॉडल जैसे इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया। रेडी प्रोग्राम के तहत छात्रों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कुलपतियों ने कहा कि ऐसी प्रायोगिक गतिविधियां छात्रों के ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

संगोष्ठी के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर आधारित रेडी एल्बम का विमोचन किया गया। इस एल्बम में विश्वविद्यालय की प्रमुख गतिविधियों और नवाचारों का विवरण दिया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा बलराज सिंह ने थारपारकर नस्ल की गाय के पर्यावरणीय अनुकूलन और इसकी सूखा प्रतिरोधी विशेषताओं की जानकारी दी। साथ ही जल संरक्षण के लिए विकसित सीवेज वाटर पुनर्भरण प्रणाली और वर्षा जल संग्रहण की सराहना की गई। इस दौरान कुलपतियों ने प्रकृति कक्ष का निरीक्षण किया जो छात्रों के लिए एक पर्यावरण-अनुकूल शिक्षण स्थान है। यहां प्रोसोपिस जुलिफ्लोरा से बनी दीमक-रोधी कुर्सियां न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं बल्कि छात्रों के लिए एक अनूठा अनुभव भी प्रदान करती हैं। फील्ड भ्रमण के दौरान डा बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई किस्मों, जैसे सौंफ की नई किस्म आरएफ-290 का प्रदर्शन किया। उन्होंने सरसों और रेपसीड में ओरबैंकि समस्या और जीरे में ब्लाइट रोग जैसी चुनौतियों पर चर्चा की। कुलपतियों ने बस्सी-झांझड़ा गांव जिसे मिनी इज़राइल के नाम से जाना जाता है, में संरक्षित खेती के तहत एक हजार से अधिक पॉलीहाउस का सफल उदाहरण देखा गया। कुलपतियों और वैज्ञानिकों ने संरक्षित खेती की तकनीकों को पूरे देश में अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गांव में आयोजित कार्यक्रम में किसानों ने थ्रिप्स, व्हाइटफ्लाई और माइट जैसी समस्याओं को उठाया। कुलपति ने इन समस्याओं का समाधान जल्द ही प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इस मौके पद्मडा बलदेव सिंह ढिल्लों ने संरक्षित खेती में डा बलराज सिंह के योगदान की सराहना की। संगोष्ठी में डॉ. पी. कौशल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. एन.के. गुप्ता, डॉ. एम.आर. चौधरी, डॉ हरफूल सिंह, डॉ एस आर ढाका, डॉ उम्मेद सिंह और अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने भाग लिया एवं कहा कि दो दिवसीय चर्चा के बाद उबरे महत्वपूर्ण मुद्दों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के समक्ष रखने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में सैकड़ों किसानों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र में नवाचार और समाधान की दिशा में नए आयाम स्थापित हुए।

विद्यार्थी बौद्धिक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान करें केंद्रित : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि विद्यार्थी किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करे। इसी से उसका सर्वांगिण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। बागड़े सोमवार को भरतपुर विकास प्राधिकरण के ओडिटोरियम में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 60 वें प्रांत अधिवेशन के उद्धघाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के दौरान ध्यान लगाकर अध्ययन करें, किसी प्रकार की शंका-संकोच के लिये अध्यापक से तब तक सवाल करें जब तक आपके जवाब प्राप्त नहीं हो जाते। उन्होंने कहा कि शिक्षा लेना आपका हक है और सिखाना अध्यापक का कर्तव्य है।

बागड़े ने कहा कि विद्यार्थी अपनी बौद्धिक शक्ति, गुणों, कौशल, नम्रता व संस्कारों से एक उजाले के जैसे चमक कर अपनी प्रतिभा दिखाऐं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी महज किताबों के ज्ञान अर्जन या सर्टिफिकेट व डिग्री पर आश्रित ना रहे, बौद्धिक क्षमता का विकास कर व्यवहारिक गुणों के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी संगठन अपनी शक्ति का विकास कर विद्यार्थियों की सहायता करने के साथ साथ देश का नाम व शौर्य बढ़ाने का कार्य करें। उन्होंने भारतीय इतिहास की महत्त्वपूर्ण घटनाओं का जिक्र करते हुए महाराण प्रताप की शौर्य गाथा एवं गुरू गोविन्द सिंह के पुत्र बाल जोरावर सिंह व फतेह सिंह की बलिदान गाथा के बारे में बताते हुए युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने को कहा। उन्होंने भास्कराचार्य एवं भट्टाचार्य जैसे विद्वानों का उल्लेख करते हुये बताया कि भारत विश्वगुरु रहा है, यहां के प्राचीन ग्रंथो ने विज्ञान, खगोशास्त्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों साल पहले ही वो ज्ञान दिया है जिसे लेकर आज के वैज्ञानिक भी चकित हैं। उन्होंने नालन्दा विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्वति एवं ज्ञान भण्डार के बारे में बताते हुये कहा कि बाहरी आक्रांताओं ने बार-बार हमारी संस्कृति, इतिहास, परम्परा को मिटाने के प्रयास किए, लेकिन ये हमारे बीच आज भी विद्यमान हैं, जीवंत हैं, जिनका अनुसरण हमें करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरातन शिक्षा नीति काफी महत्वपूर्ण है जिसका हमें अध्ययन करना चाहिये। उन्होंने कहा कि आज के युग में सभी क्षेत्रों में महिलाऐं पुरूषों से आगे आ रहीं हैं एवं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। आरंभ में देवदत्त जोशी ने प्रांत अधिवेशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

राजस्थान में नव वर्ष मनाने के लिए पर्यटकों का उमड़ा सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यटकों के पंसदीदा एवं विश्व प्रसिद्ध राजस्थान में नववर्ष मनाने के लिए सैलानियों का सैलाब उमड़ पड़ा हैं और राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं जिससे रौनक बढ़ गई हैं। शीतकालीन अवकाश के चलते क्रिसमस दिवस से ही प्रदेश में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जैसलमेर, माउंटआबू सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों पर देशी विदेशी पावणों का जमावड़ा लगा हुआ है और अब वर्ष 2024 को विदाई देने एवं आने वाले नव वर्ष 2025 का जश्न मनाने के लिए लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं वहीं नये साल मनाने के लिए प्रदेश के विभिन्न शहरों में लोगों के आने का तांता लग गया हैं और लगभग सभी होटल, रेस्टोरेंट आदि अभी से फुल हो गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोगों ने नये साल का जश्न मनाने के लिए पहले ही अपने रुकने की जगह बुक करा ली थी और अब उनकी भीड़ जुटने लगी हैं जिससे पर्यटन स्थलों के मार्गों पर जाम की स्थिति बनने लगी है। पर्यटन विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जयपुर में पिछले दो दिन में पर्यटकों की भीड़ बढ़ी हैं और गत 29 दिसंबर को प्रसिद्ध आमेर किले में 15 हजार 146 पर्यटक आये। इसी तरह 13 हजार 532 लोगों ने हवा महल को देखा जबकि नौ हजार 813 पर्यटक नाहरगढ़ किले पहुंचे और इस ऐतिहासिक स्थल का भ्रमण किया एवं नौ हजार 797 पर्यटकों ने जंतर मंतर का दीदार किया। इसी तरह ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल देखने के लिए बड़ी संख्या लोग पहुंचे और यहां सात हजार 320 लोगों ने रविवार को इसका भ्रमण किया। इससे पहले शनिवार के भी बड़ी संख्या में पर्यटकों ने इन स्थलों का भ्रमण किया जिसमें आमेर महल में 15 हजार 881, जंतर मंतर में नौ हजार 188, हवामहल में 13 हजार 22, अल्बर्ट छह हजार 975 लोगों ने भ्रमण किया। इसके मद्देनजर इन स्थलों पर सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से की गई हैं ताकि यहां आने वाले किसी भी सैलानी को परिशानी का सामना नहीं करना पड़े। प्रदेश में घूमने आये पर्यटकों में वाइल्डलाइफ टूरिज्म के प्रति भी काफी रुझान देखने को मिल रहा है और प्रदेश के प्रसिद्ध रणथंभौर, सरिस्का, झालाना सहित लगभग सभी वाइलडलाइफ टूरिज्म वाले स्थल आगामी पांच सात दिनों तक बुक है और वहां भी पर्यटकों की भीड़ देखी जा रही है।

राजधानी जयपुर में आमेर किला, सिटी पैलेस, जंतर-मंतर, गलताजी मंदिर, कनक वृंदावन, पन्ना मीना का कुंड, बिरला मंदिर, नाहरगढ़ किला, अल्बर्ट हॉल संग्रहालय और जल महल घूमने के लिए बेहतरीन स्थलों में शामिल हैं। इसी तरह उदयपुर में फतहसागर झील, पिछोला झील, सिटी पैलेस उदयपुर, जग निवास मंदिर, सज्जनगढ़ पैलेस, सहेलियों की बाड़ी और जगदीश मंदिर, जोधपुर में मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, क्लॉक टावर और जसवंत थड़ा, जैसलमेर में सोनार किला, पटवों की हवेली, सैम सैंड ड्यून्स, गड़ीसर झील और कुलधरा गांव आदि ऐतिहासिक पर्यटन स्थल हैं।

यूथ आइकॉन अवॉर्ड के विजेता एक लाख रुपए की राशि से होंगे सम्मानित

जयपुर/दक्षिण भारत। राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 8 से 12 जनवरी 2025 तक किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों के संबंध में सोमवार को युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के. पवन की अध्यक्षता में एसएमएस स्टेडियम के मीटिंग हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

पवन ने बताया कि यह चार दिवसीय महोत्सव 'विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार' थीम पर आधारित होगा। इसका आयोजन सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को 50 हजार, द्वितीय स्थान पर 25 हजार और तृतीय स्थान पर 10 हजार रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की उपलब्धियों एवं योजनाओं की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस संबंध में संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए। चार दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रत्येक दिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाएगा तथा आमजन भी इस महोत्सव के प्रत्यक्ष साक्षी होंगे।

युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कला, संस्कृति, सामाजिक कार्य, विज्ञान और तकनीकी, नवाचार, साहसिक कार्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को 'राजस्थान यूथ आइकॉन अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। चयनित युवाओं को एक लाख रुपए और प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

पवन ने यह भी बताया कि राज्य स्तरीय युवा महोत्सव और यूथ आइकॉन अवार्ड में चयनित प्रतिभागियों को 12 जनवरी को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही, युवा दिवस पर आयोजित 28वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025 में भाग लेने के लिए राजस्थान दल को 9 जनवरी को नई दिल्ली रवाना किया जाएगा।

गहलोत ने विधायकों को खुश करने के लिए बनाए थे नए जिले : राठौड़

जयपुर/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत ने विधायकों को खुश करने के लिए जल्दबाजी में नए जिलों के गठन की घोषणा की ताकि उनकी अस्थिर सरकार को समर्थन मिल सके। राजस्थान सरकार ने शनिवार को पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए 17 जिलों में से नौ को रद्द करने का निर्णय लेते हुए कहा कि यह न तो व्यावहारिक है और न ही जनहित में है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में तीन नए संभागों को भी रद्द कर दिया गया। अब राज्य में केवल सात संभाग और 41 जिले रह जाएंगे। राठौड़ ने दावा किया कि गहलोत ने पूर्व सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में समिति बनाई थी, लेकिन नए जिलों की घोषणा के बाद खुद रामलुभाया ने आश्चर्य जताया।

उन्होंने कहा कि इसका साफ मतलब है कि गहलोत ने समिति को अंधेरे में रखा और विधायकों को खुश करने के लिए जिलों का बंटवारा किया ताकि उनकी अस्थिर सरकार को समर्थन मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने इन आरोपों को खारिज किया कि नए जिलों की घोषणा चुनाव से पहले राजनीतिक फायदे के लिए की गई।

उन्होंने कहा, अब कई नौकरशाह दावा कर रहे हैं कि नए जिले अव्यावहारिक थे, लेकिन भाजपा यह जानते हुए भी कि निर्णय सही था, हम पर हमला करने के लिए इसे ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है। राठौर ने एक बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने सभी जिलों की समीक्षा के बाद पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ललित पंवार की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की, कैबिनेट समिति बनाई और उनकी रिपोर्ट के बाद कैबिनेट बैठक में नौ जिलों और तीन संभाग को समाप्त करने का प्रस्ताव किया है।

तीन बच्चों की करंट लगने से मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा और झालावाड़ में रविवार को अलग-अलग घटनाओं में करंट लगने से तीन बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोटा के महावीर नगर थाना क्षेत्र में टीचर्स कॉलोनी में बिजली के तार पर फंसी पतंग को उतारने की कोशिश कर रहे करण (11) की करंट लगने से मौत हो गई। थाना प्रभारी महेंद्र ने बताया कि कुछ मीटर दूर खड़ा उसका भाई राहुल (नौ) भी करंट लगने से झुलस गया, लेकिन उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

गंगा को पुण्य समर्पित कर श्रद्धालुओं को पुण्य का भागी बनाते हैं नागा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/एजेन्सी। सनातन धर्म के रक्षक महायोद्धा नागा संन्यासी शुभ्र वर्ण पतित पावनी गंगा, श्यामल यमुना और अन्त: सलिला स्वरूप में प्रवाहित हो रही सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाकर अपने समस्त पुण्य को समर्पित कर आम जनमानस को पुण्य का भागी बनाते हैं।

शैव संप्रदाय के श्रीपंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव महंत यमुना पुरी ने मेला क्षेत्र स्थित शिविर में बताया कि साधु-महात्मा, संत, योगी, यति, संन्यासी और परमहंस वृत्ति वाले गंगा को प्रणाम करके उनसे अनुरोध करते हैं कि 12 वर्षो के जप, तप, ध्यान और योग से जो भी विशुद्ध ऊर्जा प्राप्त किया है, उसके अलावा उनके पास देने को कुछ नहीं हैं। जन कल्याण के लिए उसे आप को समर्पित करते हैं। ऐसा विचार कर वह त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। उन्होंने बताया कि आस्था की डुबकी लगाने के साथ उनके समस्त पुण्य फल उसमें समाहित हो जाते हैं और उनके बाद स्नान करने वाले आम जनमानस के पापों का क्षय करके उन्हें पुण्य का भागीदार बनाती है।

सचिव ने बताया कि नागा साधु जंगलों, पहाड़ों और कंदराओं में रहकर कठोर साधना के लिए जाने जाते हैं। इनका जीवन आम जनमानस से एकदम भिन्न होता है। सांसारिक लोगों के बीच में नागा साधु साधना और वैराग्य के लिए जाने जाते हैं। ये निर्वस्त्र रहकर भस्म को अपना वस्त्र मानकर शरीर पर धारण करते हैं, जो उनकी पूर्ण वैराग्य की स्थिति को दर्शाता है। उनका शाही स्नान कुंभ मेले के स्नान के प्रारंभ का प्रतीक है। मान्यता है कि उनके स्नान से संगम के जल में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है।

महंत यमुना पुरी ने बताया कि कठोर तप से प्राप्त पुण्यफल के साथ नागा संन्यासियों के स्नान से संगम के जल में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। नागा साधुओं का स्नान सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था को जागृत कर उसकी गहराई और विविधता को दर्शाता है। नागाओं का अमृत स्नान धार्मिक, आध्यात्मिक ऊर्जा और संस्कृति का संगम भी माना जाता है।

अखाड़े के महंत ने बताया कि नागा साधुओं की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। ये साधु-संत समाज सुधार और सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने जीवन का त्याग कर तपस्या में लीन रहते हैं। प्राचीन समय में नागा साधु क्षत्रिय धर्म को भी निभाने के साथ ही धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करते थे।

नागा साधुओं को समाज से दूरी बनाने पर उन्होंने कहा कि भीड़ साधना में ध्यान की एकाग्रता को दिग्भ्रमित करता है। वह कठोर साधना के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखते हैं। भस्म से सजी देह और आकाश की ओर बढ़ती जटाएं नागा साधु को अनोखा बनाती हैं।

पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर को बताया फ्रॉड किशोर

पटना/एजेन्सी। बिहार में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर पर हमला बोलते हुए उन्हे फ्राड किशोर बताया है। यादव ने रविवार की देर शाम बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज होने के सोमवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिलकर छात्रों के समर्थन में छह सूत्री मांगों को ज्ञापन सौंपा। मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए यादव ने कहा कि छात्रों पर लाठी चार्ज किया गया है। उसको लेकर बात की गई। राज्यपाल ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाया है। राज्यपाल ने बीपीएससी चेयरमैन से मेरे सामने बात की भी है। जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन मिला है। इसके अलावा राज्यपाल ने सीएम से बात करने की भी बात कही है।

अभ्यर्थियों को बिहार पीएससी परीक्षा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का संदेह है : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें पता चला है कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा के जरिए भरे जाने वाले पदों के लिए हजारों करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है।

किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा लगभग दो सप्ताह से चल रहे आंदोलन पर एक भी शब्द नहीं बोलने पर भी निराशा व्यक्त की। वह कुमार के कभी करीबी सहयोगी हुआ करते थे।

किशोर ने यहां संवाददाताओं से कहा, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और पानी की बौछारों का इस्तेमाल करने के बावजूद अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री दिल्ली में हैं और जब वहां पत्रकारों ने आंदोलन के बारे में सवाल पूछने के लिए उनसे संपर्क किया तो उन्होंने एक भी शब्द नहीं बोला।

किशोर ने कहा कि उन्होंने एक दिन पहले प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया था और वह शाम करीब चार बजे तक अभ्यर्थियों से कहते रहे कि वे मुख्यमंत्री के बयान का इंतजार करें, जो शायद कोई ऐसा रुख अपनाएं जिससे गतिरोध खत्म हो सके, लेकिन मुख्यमंत्री चुप्पी साधे रहे। उन्होंने दावा किया प्रदर्शनकारियों का मानना है कि बीपीएससी फिर से परीक्षा कराने का आदेश इसलिए नहीं दे रहा है, क्योंकि करोड़ों रुपए का पहले ही लेन-देन हो चुका है। 13 दिसंबर को हुई परीक्षा के जरिए जिन पदों को भरना था, उन्हें बिक्री के लिए रखा गया था।

बीपीएससी द्वारा राज्यभर के 900 से अधिक केंद्रों पर आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में करीब पांच लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पटना के एक परीक्षा केंद्र पर सैकड़ों अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र लीक होने का आरोप लगाते हुए परीक्षा का बहिष्कार किया।

बीपीएससी ने इसका खंडन करते हुए इसे परीक्षा को रद्द करवाने की एक साजिश बताया था, लेकिन उसने बाद में पटना के बापू परीक्षा केंद्र में इम्तिहान में शामिल हुए 10,000 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए फिर से परीक्षा का आदेश भी दे दिया था।

प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि कुछ अभ्यर्थियों के लिए फिर से परीक्षा कराना समान अवसर के सिद्धांत के खिलाफ होगा और इसलिए पूरी परीक्षा रद्द कर दी जानी चाहिए और नए सिरे से आयोजित की जानी चाहिए।

किशोर ने बीपीएससी में भ्रष्टाचार व्याप्त होने का आरोप लगाया है। उन्होंने हालांकि यह स्पष्ट किया कि उन्हें मुख्य सचिव अमृत लाल मीना द्वारा प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करने की इच्छा दिखाए जाने बाद सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है। उन्होंने कहा, फिलहाल हमारे युवा छात्रों का भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

राजनीतिक लाभ के लिए मनमोहन सिंह के निधन का राहुल गांधी ने फायदा उठाया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपने 'राजनीतिक लाभ' के लिए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का ''फायदा'' उठाया और जब पूरा देश उनके निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम चले गए।

कांग्रेस ने पलटवार करते हुए पूछा कि ''संघी ध्यान भटकाने की राजनीति कब बंद करेंगे।

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब पूरा देश प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम चले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपनी ''सुविधाजनक राजनीति'' के लिए डॉ. सिंह के निधन का ''फायदा'' उठाया। भाजपा नेता ने कहा कि सिंह के प्रति राहुल के ''असम्मान'' को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मालवीय ने आरोप लगाया, गांधी और कांग्रेस सिखों से नफरत करते हैं। यह कभी न भूलें कि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब को अपवित्र किया था।

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, संघी ध्यान भटकाने की ये राजनीति कब बंद करेंगे?'' उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यमुना तट पर जगह देने से इनकार कर दिया और उनके मंत्रियों ने पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार को जगह नहीं दी, वह ''शर्मनाक'' था।

वियतनाम यात्रा पर कांग्रस नेता ने मालवीय से पूछा, अगर गांधी निजी तौर पर यात्रा करते हैं, तो आपको इससे क्या परेशानी है?''

रविवार को भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के राजकीय अंतिम संस्कार को लेकर दोनों दलों के बीच वाकयुद्ध हुआ था। रविवार को भाजपा ने केंद्र के खिलाफ कांग्रेस के उन आरोपों को बेबुनियाद करार दिया कि सिंह की अंत्येष्टि के दौरान ''असम्मान और कुप्रबंधन'' देखने को मिला।

मनमोहन सिंह (92) का 26 दिसंबर की रात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। वह 92 वर्ष के थे। 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण के युग की शुरुआत करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री का शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

अगले साल युवा सशक्तीकरण और शिक्षा में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा: खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि राज्य के विकास और समृद्धि के लिए युवा सशक्तीकरण और शिक्षा क्षेत्र में सुधार आवश्यक है तथा उनकी सरकार 2025 में इन क्षेत्रों में सुधार पर ध्यान केंद्रित करेगी। राज्य सरकार ने अपने बजट में 2024-25 को 'युवाओं का वर्ष' घोषित किया है।

खांडू ने कहा कि सरकार का यह कदम राष्ट्र एवं राज्य को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है।

मुख्यमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा, युवाओं का वर्ष दर्शाता है कि 'विकसित भारत' और 'विकसित अरुणाचल' के

निर्माण में हमारे युवाओं की बड़ी जिम्मेदारी को हम पहचानते हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम सत्तारूढ़ पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों के अनुरूप है।

'युवाओं के वर्ष' का एक प्राथमिक उद्देश्य युवा पीढ़ी में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना है। सरकार का लक्ष्य विभिन्न योजनाओं और नीतियों के माध्यम से एक मजबूत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

खांडू ने कहा, हमारी सरकार युवाओं को उद्यमशीलता के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराएगी और कौशल विकास कार्यक्रमों पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अरुणाचल प्रदेश उद्यमिता विकास कार्यक्रम (एपीईडीपी) पहले ही शुरू किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से भारतीय प्रबंधन संस्थान और भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई) गुवाहाटी जैसी संस्थाओं को जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र एक और ऐसा प्रमुख क्षेत्र है जिस पर सरकार ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य अगले तीन वित्त वर्षों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर बुनियादी ढांचे और छात्रों को बेहतर अवसर सुनिश्चित कराने के लिए परिवर्तनकारी बदलाव करने की योजना बना रहा है।

नोएडा में लुटेरी दुल्हन गिरोह की वांछित महिला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। थाना सूरजपुर पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गिरोह की वांछित महिला को दुल्हन बनकर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया है। इसके पति समेत चार लोगों को चार दिन पूर्व गिरफ्तार किया गया था। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि चार दिन पूर्व थाना पुलिस ने एक व्यक्ति की शिकायत पर प्रदीप, आमिर, संतोष, और मालती को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि जांच और पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग अविवाहित लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनकी शादी करवाते हैं। पीड़ित इनकी बताई जिस युवती से शादी करता, वह एक-दो दिन में वर पक्ष के घर का सामान चोरी करके उनके पास वापस आ जाती। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि चार दिन पूर्व गिरफ्तार दानिश अपनी पत्नी अनम उर्फ महावीर उर्फ नेहा उर्फ सिमरन को दुल्हन बनाकर अविवाहित लोगों की शादी करवाता था, तथा सुहागरात के बाद वह उसके घर का सारा सामान समेट कर भाग आती थी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार महिला को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मनुवादी सोच के कारण भाजपा शासित राज्यों में दलितों, आदिवासियों के साथ हो रही बर्बरता : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में एक दलित व्यक्ति की कथित हत्या तथा ओडिशा में तीन आदिवासी महिलाओं के साथ मारपीट की घटना को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मनुवादी सोच के कारण उसके शासन वाले राज्यों में दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों के साथ बर्बरता हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के बहुजनों के साथ ऐसी बर्बरता किसी भी क़ीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मध्य प्रदेश में देवास जिले के एक पुलिस थाने में एक दलित व्यक्ति की मौत के बाद उसके परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया।

देवास के पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत ने बताया कि 35

वर्षीय मुकेश लोंगरे की शनिवार को मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि मुकेश को 26 दिसंबर को एक महिला द्वारा उसके खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत के संबंध में पूछताछ के लिए सतवास पुलिस थाने बुलाया गया था।

ओडिशा के बालासोर जिले में कुछ आदिवासी परिवारों का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश के आरोप में भीड़ ने तीन लोगों को कथित तौर पर पेड़ से बांध कर उनके साथ मारपीट की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक तरफ़ मध्यप्रदेश के देवास में दलित युवक की पुलिस हिरासत में हत्या की गई। दूसरी तरफ़, ओडिशा के बालासोर में आदिवासी महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा गया है। दोनों घटनाएं दुखद, शर्मनाक और अत्यंत निंदनीय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की मनुवादी सोच के कारण उनके शासन वाले राज्यों में एक के बाद एक इस तरह की घटनाएं हो रही हैं तथा सरकार की शह के बिना यह संभव नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा, देश के बहुजनों के साथ ऐसी बर्बरता किसी भी क़ीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम उनके साथ हैं, उनके संवैधानिक अधिकारों के लिए और उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी ताक़त के साथ लड़ेंगे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान और कमजोर वर्गों पर अत्याचार ही भाजपा के शासन का मूलमंत्र है। देवास, मध्य प्रदेश में पुलिस हिरासत में दलित युवक की मौत का मामला अत्यंत गंभीर है।

रोहित, कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने वास्तव में कोई योगदान नहीं दिया : गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सोमवार को टीम को निराश करने के लिए सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली की आलोचना की और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में हार के लिए भारतीय शीर्ष क्रम को जिम्मेदार ठहराया।

चौथे टेस्ट के अंतिम दिन भारत के सामने 340 रन का लक्ष्य था लेकिन यशस्वी जायसवाल (84) को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज योगदान नहीं दे पाया। भारत को इस मैच में 184 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत इस तरह से पांच मैचों की शृंखला में 1-2 से पिछड़ गया।

गावस्कर ने इंडिया टुडे से कहा, यह सब चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है। जो योगदान अपेक्षित था वह नहीं आया है। यह शीर्ष क्रम है जिसे योगदान देना है, यदि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज योगदान नहीं दे रहे हैं तो फिर तो निचले क्रम को दोष क्यों दें। उन्होंने कहा, सीनियर खिलाड़ियों ने वास्तव में वह योगदान नहीं दिया जो उन्हें देना चाहिए था, उन्हें बस आज अच्छी बल्लेबाजी करनी थी। यह सिर्फ इतना है कि शीर्ष क्रम ने योगदान नहीं दिया और यही कारण है कि भारत इस स्थिति में पहुंचा।

गावस्कर ने जहां जायसवाल की जोरदार पारी की सराहना की, वहीं वह एक बार फिर ऋषभ पंत के शॉट चयन से निराश नजर आए। भारत का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 33 रन था तब जायसवाल और पंत ने स्थिति संभाली और लंच के बाद

के सत्र में भारत को 121 रन तक पहुंचाया। इसके बाद पंत ने हवा में शॉट खेल कर अपना विकेट गंवाया जिससे भारतीय टीम लड़खड़ा गई।

गावस्कर ने कहा, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल ने लंच के बाद के सत्र में जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे निश्चित तौर पर लग रहा था कि भारत इस मैच को ड्रॉ कर सकता है क्योंकि यह बिना विकेट खोए एक और घंटे तक बल्लेबाजी करने की बात थी। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि क्रिकेट में इस शॉट को सिक्सर कहा जाता है जो किसी ड्रग की लत की तरह है। एक बार जब आप कुछ छक्के मार देते हैं, तो आप सोचते हैं कि वास्तव में यह सही तरीका है। जब आप गेंद को स्टैंड में पहुंचाते हैं तो एक बल्लेबाज के लिए इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है। सिक्सर एक अलग तरह का एहसास है और यह एक ड्रग है जो आपके सिस्टम में चला जाता है।

गावस्कर ने कहा, उस समय छक्का लगाने की कोई जरूरत नहीं थी। इससे हम मैच नहीं जीतने वाले थे। अगर उस समय जमीन से चिपकता शॉट खेला जाता तो हमें चार रन मिलते। इससे ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत के दरवाजे खुल गए।

गावस्कर ने तकनीक की अनदेखी करने और पैट कमिंस की गेंद पर जायसवाल को विवादास्पद तरीके से कैच आउट देने के लिए टीवी अंपायर की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, इस तरह के मामले में दोहरे मानदंड नहीं अपनाने चाहिए, क्योंकि पर्थ में आपने केएल राहुल को आउट दिया था, जहां आपने दृश्य साक्ष्य के आधार पर नहीं, बल्कि तकनीकी के आधार पर फैसला दिया था। आप एक दिन तकनीकी और अगले दिन दृश्य साक्ष्य के आधार पर फैसला नहीं दे सकते। यदि आप मुझसे पूछें तो दृश्य साक्ष्य इतना स्पष्ट नहीं था कि आप फैसला पलट सकें। गावस्कर ने कोहली को भी सलाह दी, जो ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, उनका पैर गेंद की पिच की सीध पर नहीं जा रहा है। यदि आपका पांव गेंद की सीध की तरफ जाता है तो आप बल्ले के बीच से शॉट लगा सकते हैं लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है और इसलिए गेंद बल्ले का किनारा ले रही है।

पंत को यह समझने की जरूरत है कि उनके लिए क्या जरूरी है : रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। यशस्वी जायसवाल के साथ शानदार साझेदारी करने के बाद आक्रामक शॉट पर अपना विकेट गंवाने वाले ऋषभ पंत से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सोमवार को कहा कि उन्हें 'यह समझना होगा कि उनके लिए क्या जरूरी है'।

जायसवाल और पंत जब क्रीज पर मौजूद थे तब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था लेकिन पंत ने दिन के आखिरी सत्र में कामचलाऊ स्पिनर ट्रेविस हेड के खिलाफ आक्रामक शॉट खेला और लांग ऑन पर पर कैच देकर पवेलियन लौटे। उनके आउट होने ही भारतीय पारी लड़खड़ा गई और ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन की जीत के साथ शृंखला में 2-1 की बढ़त कायम कर ली।

पंत इस मैच की पहली पारी में भी गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट हुए थे। दोनों पारियों में उनके विकेट के ऑस्ट्रेलिया को मैच पर पकड़ बनाने का मौका मिल गया। पहली पारी में स्कॉट बोलैंड की गेंद पर उनके लैप शॉट खेल कर उनके आउट होने को कमेंट्री कर रहे पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बेवकूफाना करार दिया था।

पंत ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर भारत की जीत के नायक रहे थे लेकिन मौजूदा दौरे पर वह लगातार गैरजिम्मेदराना शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा रहे हैं।

रोहित से मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में जब सोमवार को पंत के आउट होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में पूछा, आज ? (या) उस दिन।

भारतीय कप्तान ने कहा, आज के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। हम अभी मैच हारे है और हर कोई इस बात से निराश है। हमने निश्चित रूप से इस परिणाम के बारे में नहीं सोचा था। उन्होंने कहा, पंत को यह समझने की जरूरत है कि उसके लिए क्या जरूरी है। हम में से किसी को उसे बताने की जरूरत से ज्यादा उसे खुद ही इन चीजों को समझने की जरूरत है।

कप्तान ने स्वीकार किया कि पंत की आक्रामक बल्लेबाजी ने अतीत में टीम को बड़ी सफलता दिलाई है, लेकिन वह चाहते हैं कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज आक्रामक और रक्षात्मक खेल में संतुलन बनाए रखें। उन्होंने कहा, यह परिस्थितियों के बारे में भी है।

बुमराह आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में

दुबई/भाषा। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए नामित किया गया जबकि वह साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम के बल्लेबाजों को परेशान करने वाले बुमराह को वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स के नाम पर दिए जाने वाले सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रूक तथा ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड के साथ नामित किया गया है।

वर्ष 2024 में शानदार प्रदर्शन करने वाले बुमराह, रूट, ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए भी नामित किया गया है। बुमराह 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट चटकाए हैं जो पारंपरिक प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

सुविचार

भगवान तो सबके मन में हैं लेकिन सबका मन भगवान में नहीं लगा है, इसीलिए हम कष्ट और दुर्गति भोगते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत का सुरक्षा परिदृश्य

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी गहरी बात कही है कि 'सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भारत बहुत भाग्यशाली देश नहीं है।' हमारे देश पर सदियों से हमले होते रहे हैं। अब उनके तौर-तरीकों में कुछ बदलाव आ गया है, लेकिन देश को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें जारी हैं। हमारे सुरक्षा बल उन्हें विफल करने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। उनके जवानों और अधिकारियों ने बड़े-बड़े बलिदान दिए हैं, इसलिए हम सुरक्षित हैं। भारत पर हमलों से जान-माल के अलावा सांस्कृतिक नुकसान भी बहुत हुआ है। विदेशी आक्रांताओं ने छल-कपट और विभिन्न तरीकों से भारत में अपना शासन स्थापित किया और समाज में फूट डालने के पैंतरे आजमाए। उनका भयानक नतीजा निकला और उससे पैदा हुईं चुनौतियां आज भी अपनी जगह खड़ी हैं। हमें अपने इतिहास का अध्ययन करना चाहिए और उन 'गलतियों' पर भी चर्चा करनी चाहिए, जो अतीत में कभी हुई थीं। जिन विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर हमले किए, वे कोई बहुत बहादुर, अक्लमंद और कुशल रणनीतिकार नहीं थे। उन्होंने हमारी 'एकता की कमी' और 'समन्वय के अभाव' का जमकर फायदा उठाया था। उन्होंने समाज में दरारें पैदा कीं, भाई को भाई से लड़वाया और खुद मज़े से राज करते रहे। 'सोने की चिड़िया' को लूटने के लिए विदेशी आक्रांता लालायित रहे। वे साजिशें रचकर हमले करते रहे। अगर कहीं विफल हो गए तो हमारे तत्कालीन शासकों से क्षमादान पा गए। उसके बाद ताकत जुटाकर फिर हमला बोला और एक बार जब दांव लग गया तो उन्होंने किसी को क्षमा नहीं किया।

निस्संदेह अतीत में हमें बहुत ठोकरें लगी हैं, लेकिन यह हमारी जीवटता है कि कोई भी बाधा हमें ज्यादा अवधि तक रोक नहीं सकी। हम दोबारा उठ खड़े हुए। विदेशी आक्रांता जिन इलाकों से आए थे, आज वहां भारतीयों के ज्ञान और कौशल को सराहा जा रहा है। जिनके पूर्वजों ने सदियों पहले हमारे देश में लूटमार की थी, उन्हें रोटी और दवाइयां हमने ही भेजीं। हमें अतीत की उन कमजोरियों से सबक लेते हुए सामाजिक एकता को मजबूत करना होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर रहना होगा, दूरदर्शी सोच रखते हुए आधुनिक विज्ञान को जीवन का अभिन्न अंग बनाना होगा। चीन और पाकिस्तान जैसे देश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां पैदा करते रहेंगे। वहीं, बांग्लादेश, मालदीव जैसे देश भी मौका पाते ही भारतविरोधी मानसिकता का प्रदर्शन कर चुके हैं, फिर कर सकते हैं। यहां हमें 'जैसा रोगी, वैसा उपचार' की नीति अपनानी होगी। छोटे देशों को सहायता जरूर दें, लेकिन उन्हें इतनी खुली छूट न मिले कि वे हमें ही आंखें दिखाने लगें। भविष्य में एआई से डिजिटल फ्रॉड, डीपफेक, बैंक हैकिंग, हनीट्रैप, फर्जी खबरों के प्रसार से जनता में असंतोष भड़काने जैसी गतिविधियों में तेजी आ सकती है। इसके अलावा ड्रोन के जरिए तस्करी, अवैध सामग्री की आवाजाही, अनुचित फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी के मामले नई किस्म की चुनौतियां पैदा कर सकते हैं। यूक्रेन ने रूस से युद्ध में ड्रोन तकनीक का बहुत घातक इस्तेमाल किया है। विस्फोटक सामग्री से लैस और लागत में काफी सस्ते यूक्रेनी ड्रोन्स ने काफी तबाही मचाई है। कई रूसी सैनिक और भारी-भरकम टैंक यूक्रेनी ड्रोन्स के शिकार हो गए। हथियारों और संसाधनों के मामले में यूक्रेन, रूस के सामने कहीं नहीं टिकता, उसे काफी नुकसान हुआ है, लेकिन उसने पुतिन को बुरी तरह उलझा रखा है। भविष्य में अंतरिक्ष भी युद्ध का नया मैदान बन सकता है। जो देश अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आगे रहेंगे, वे निश्चित रूप से फायदे में रहेंगे। परंपरागत ढंग से मजबूत सैन्य बल की जरूरत हमेशा रही है और रहेगी।

ट्वीटर टॉक

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक, सुविख्यात वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। डॉ. विक्रम साराभाई जी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु आज मुख्यमंत्री निवास पर अजमेर संभाग के मंत्रिगण एवं विधायकों के साथ बैठक ली। इस अवसर डबल इंजन सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

-भजनलाल शर्मा

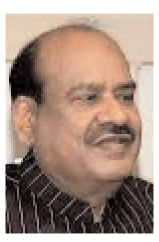

बून्दी में पेंशनर्स समाज के अधिवेशन में वरिष्ठजनों से संवाद का अवसर मिला। पेंशनर्स समाज की यह विभूतियां वे लोग हैं जिन्होंने अपने जीवन का अनमोल समय देश और समाज की सेवा में समर्पित किया। बून्दी में पेंशनर्स के लिए एक आधुनिक भवन बनाया जाएगा।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

सामंजस्य का सूत्र

जापान के राजा यामोता धर्मात्मा तथा उदार हृदय के शासक थे। उनका मंत्री ओचोआन भी परम संयमी व संतोषी था। एक बार राजा को पता चला कि मंत्री के दादा के सभी भाइयों की संतानें एक साथ प्रेमपूर्वक रहती हैं। इस विशाल परिवार में कभी किसी बात को लेकर विवाद नहीं होता। एक दिन उन्होंने सोचा, इस आदर्श परिवार की एकता व सौहार्द का रहस्य जानना चाहिए। वे अचानक मंत्री के घर जा पहुंचे। मंत्री ने राजा का विनम्रता से स्वागत किया। अपने भाइयों, पुत्र-पौत्रों, बहनों, बेटियों व बहुओं से उनका परिचय कराया। राजा ने देखा कि परिवार के कई सौ सदस्यों में अनूठा प्रेम झलक रहा है। राजा ने विनम्रता से पूछा, 'मैं यह जानना चाहता हूं कि इतने विशाल परिवार में ऐसा अनूठा प्रेम-सौहार्द बनाए रखने का आपका मूल मंत्र क्या है?' मंत्री ने कहा, 'राजन, संतोष और सहनशीलता ऐसे अनूठे सूत्र हैं, जो विशाल परिवार को एक साथ रखने में समर्थ होते हैं। धर्म ने हमें सादगी, सरलता और संतोष का जीवन जीने की प्रेरणा दी है। सहनशीलता राग-द्वेष व कलह को पास नहीं फटकने देती।'

सामयिक

भारत के विकास की असीम संभावनाओं वाला है नया वर्ष

डॉ. आर.के. सिन्हा

नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी।

भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफ़ा लेन वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है जहाँ पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के ख़ान-पान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पढ़े लिखे बढ़िया अंग्रेज़ी जानने बोलने वाले विद्यमान है, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने का अनुपम अवसर बन रहे हैं। अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता, और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन भी तेजी से विकसित किये जा रहे हैं । 2025 तक, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी।

भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक, भारत में डिजिटल लेनदेन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक, इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ, साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक, भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक, कई संगठन क्लाउड-आधारित समाधानों को अपनाएंगे, जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए साल में, डेटा एनालिटिक्स में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जो व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे।

आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक, यह प्रयास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। अब मेक इन इंडिया के बारे में तो विश्व भर में सब जानते ही हैं। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है। 2025 तक, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक, भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी।

आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है।

भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सेंसर, और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक, कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है। यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करले लगेंगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश कर रही है, जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्नों पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दूरगामी योजना तैयार की है । यह अबतक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पूर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है, जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बाँधो और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड़ भूमि बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से। 30-35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए है। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्नों, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की चिंता हमने की ही कहाँ? अब आशा करनी चाहिए कि सतत अनुसंधानों और पारंपरिक फसलों के उत्पादन पर सरकार का ध्यान जाने से किसानों को लाभ होगा। साथ ही मिलेट्स का निर्यात बढ़ेगा और उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

वर्ष 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने के संभावित परिणामों की बात करें तो कृषि उत्पादन में वृद्धि से देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भारत कृषि उत्पादों का निर्यात करके भारी विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकता है। हालांकि, कुछ चुनौतियां भी हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता होगी जैसे, छोटे किसानों को नई तकनीकों और बाजारों तक पहुंच प्रदान करना महत्वपूर्ण है। भूमि और जल संसाधनों का संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाया जा सके। इन चुनौतियों का समाधान करके भारत 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगा सकता है और एक मजबूत और टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित कर सकता है।

शिक्षा के लिए भी 2025 बेहद अहम हो सकता है। सरकार ने हाल ही में एक नई शिक्षा नीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है। यह नीति कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, और अनुसंधान पर केंद्रित है। 2025 तक, नई शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। ऑनलाइन शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, ऑनलाइन शिक्षा और अधिक सुलभ और किफायती होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत 2025 तक एक आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रगति से देश के विकास को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, सरकार को अभी भी गरीबी, असमानता और पर्यावरणीय चुनौतियों जैसी कई समस्याओं का समाधान करना बाकी है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

नजरिया

कल की रचनात्मक तस्वीर का रेखांकन होगा नव-वर्ष

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

नववर्ष मुड़कर एक बार अतीत को देख लेने एवं भविष्य को बुनने का स्वर्णिम अवसर। क्या खोया और क्या पाया इस गणित को विश्लेषित करने एवं आने वाले कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का प्रेरक क्षण। क्या बनाना है और क्या मिटाना है, इस अन्वेषणा में संकल्पों की सुरक्षा पंक्तियों का निर्माण करने के लिये अभिप्रेरित करने की चौखट है- नववर्ष। 'आज', अभी', इसी क्षण' को पूर्णता के साथ जी लेने के जागृति का शंखनाद है नववर्ष। बीते कल का अनुभव और आज का पुरुषार्थ ही भविष्य का भाग्य रच सकता है इसीलिये नववर्ष के उत्सव की प्रासंगिकता को नकारा नहीं जा सकता। इसीलिये वर्ष 2024 की निराशाओं, असफलताओं एवं नाउम्मीदों पर पश्चाताप करने की बजाय उम्मीद, आशा एवं जिजीविषा को जीवंत करें। भले ही पछतावा जीवन का एक ऐसा सत्य है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। हालांकि हमें यह सलाह दी जाती है कि अतीत में क्या हुआ, क्या खोया एवं क्यों संकल्प पूरे नहीं हुए, इस पर पछताना ठीक नहीं। बीती बातों को याद करके दुखी होने से केवल मानसिक तनाव, निराशा एवं असंतोष ही उत्पन्न होगा। फिर भी, हम पछतावे को हमारी जीवन यात्रा का अहम हिस्सा मानते हुए नववर्ष का स्वागत नये उजालों से करते हुए इसे प्रेरणा पर्व बनाये।

नए की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कहने की इस संधिबेला में किंपलिंग की विश्व प्रसिद्ध पंक्ति याद आ रही है-पूर्व और पश्चिम कभी नहीं मिलते।' पर मैं देख रहा हूं कि पुराना और नया मिलकर संवाद स्थापित कर रहे हैं। जाता हुआ पुराना वर्ष नये वर्ष के कान में कह रहा है, मैंने आंधियाँ अपने सीने पर झेली हैं, तू तूफान झेल लेना, पर मन के विश्वास को टूटने मत देना, संकल्प के दीपक को बुझने मत देना।' नये भारत के इक्कीसवीं शताब्दी के इस रजत जयन्ती वर्ष में इसी विश्वास को जीवंतता देने के लिये अपनी अनुकरणीय योजनाओं के साथ देश एवं दुनिया में सक्रिय होना है और अनूठा करना है। उसके लिये विश्वास एवं संकल्प वे छोटी-सी किरणें हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।' मनुष्य मन का यह विश्वास कोई स्वप्न नहीं, जो

कभी पूरा नहीं होता। इस तरह का संकल्प कोई रणनीति नहीं है, जिसे कोई वाद स्थापित कर शासन चलाना है। यह तो इंसान को इन्सान बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है।

जाते हुए वर्ष को अलविदा कहते हुए नए वर्ष की दस्तक आह्वान कर रही है कि अतीत की भूलों से हम सीख लें और भविष्य के प्रति नए सपने, नए संकल्प बुनें। अतीत में जो खो दिया उसका मातम न मनाएं। हमारे भीतर अनन्त शक्ति का स्रोत बह रहा है। समय का हर टुकड़ा विकास एवं सार्थक जीवन का आईना बन सकता है। हम फिर से वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसे अपनी दुर्बलताओं, विसंगतियों, प्रमाद या आलस्यवश पा नहीं सकते थे। मन में संकल्प एवं संकल्पना जीवंत बनी रहना जरूरी है। हर बार संकल्प पूरे हों, यह बिल्कुल जरूरी नहीं, क्योंकि जज्बा तब तक लोहा भर है, जब तक मन में दृढ़ता का बसेरा न हो। दृढ़ता आए तो यही जज्बा इस्पात बन जाता है। इसी जज्बे के साथ नये भारत के निर्माता समस्त विश्व के लोगों में एक दूसरे के प्रति विश्वास की भावना उत्पन्न करने, अच्छे नागरिकों का निर्माण करने, समस्त मानवता को मित्रता, भाई-चारे और विश्वास में बांधने के लिये तत्पर है। नैतिक एवं सौम्य गुणों को बढ़ावा देना, परोपकार, जनसेवा एवं समाज उत्थान के लिये व्यापक योजनाओं को आकार देने के लिये अग्रसर हैं, जिन्हें नये वर्ष में आसमानी ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता है।

दुनिया में कुछ ही ऐसे भाग्यशाली लोग होते हैं, जिनके जीवन में पछतावा नहीं होता या बहुत कम होता है, क्योंकि वे जीवन को अपने तरीके से जीते हैं। युवावस्था में जीवन की गति तेज होती है। तब इतनी सारी चुनौतियां सामने होती हैं और इतने सारे विकल्प कि आगे बढ़ने की कोशिश में पछताने का वक्त नहीं मिलता। लेकिन जैसे-जैसे हम बूढ़े होते हैं और जीवन की गति धीमी होती जाती है, हम अतीत की सफलताओं-असफलताओं, हर्ष-विषाद, सुख-दुख, उन्नति-अवनति आदि चीजों पर सोचने लगते हैं। यह समय आत्मनिरीक्षण का होता है, जिसमें हम अपने जीवन की यात्रा और उसके अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भीष्म पितामह जैसी शख्सियत को भी मृत्यु शैय्या पर पछतावा था कि उन्होंने अधर्म का साथ दिया। जीवन भर के उनके अच्छे कर्म उस समय याद नहीं आ रहे थे, और वह अपने एक निर्णय के कारण अपने जीवन के अंतिम क्षणों में पछता रहे थे। लेकिन हमें पछतावे से जीवन को धुंधलाना नहीं हैं, बल्कि नये संकल्पों से आगे बढ़ना है।

आप अपनी जिंदगी किस तरह जीना चाहते हैं? यह तय होना जरूरी है, आखिरकार जिंदगी है आपकी! दरअसल, जीवन एक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था, जो जड़ नही, चेतन है। स्थिर नहीं, गतिमान है। इसमें लगातार बदलाव भी होने है। जिंदगी की अपनी एक फिलासफी है, यानी जीवन-दर्शन। सनातन सत्य के कुछ सूत्र, जो बताते हैं कि जीवन की अर्थवत्ता किन बातों में है। ये सूत्र हमारी जड़ों में हैं-पुरातन ग्रंथों में, हमारी संस्कृति में, दादा-दादी के किस्सों में, लोकगीतों में। जीवन के मंत्र ऋचाओं से लेकर संगीत के नाद तक समाहित है। हम इन्हें कई बार समझ लेते हैं, ग्रहण कर पाते हैं तो कहीं-कहीं भटक जाते हैं और जब-जब ऐसा होता है, जिंदगी की खूबसूरती गुमशुदा हो जाती है। जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर-क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। समझदार लोगों के लिये नववर्ष का जश्न पछतावा नहीं, बल्कि आभार जताने का मौका देती है। उन सबके लिये आभार, जिनसे हमने सीखा एवं पाया है। आभार एवं कृतज्ञता उन रास्तों के लिये, जो हमारे लिये आशीर्वाद बन गये और उस शांत यकीन के लिये जो बताता है कि जिन्दगी की अनिश्चितताओं में भी एक दैवीय व्यवस्था काम करती है हमारी नाउम्मीदी को उम्मीद में बदलने के लिये।

नववर्ष की याद दिलाने वाली एक बात यह है कि हालात चाहे कितने भी मुश्किल क्यों न हो, कहीं-न-कहीं कोई है जो हमारे लिये चीजों को आसान बनाने पर काम कर रहा है। ब्रह्माण्ड की जिस भी शक्ति को आप मानते हैं, वह आपके लिये, दोस्तों, परिवारजनों, अजनबियों और दैनंदिन के कामों के लिये एक रास्ता तैयार कर रही है, यही आपको मंजिल तक ले जायेगा। इसलिये थोड़ा रुके, सोचे, हौसल्लों को जीवंतता दे और फिर नयी शुरुआत करें। जान ले कि आप अकेले नहीं है और वह अदृश्य शक्ति एवं आस्था आपको मंजिल तक पहुंचाने में जुटी है।

जीवन को केवल पीछे मुड़कर समझा जा सकता है, लेकिन इसे आगे बढ़कर जीना भी पड़ता है। हम अपनी बातों और कार्यों की जिम्मेदारी लें, लेकिन कभी भी इन्हें अपने मन में इतना भारी न होने दें कि वे हमारे विकास को रोकें। यह महत्वपूर्ण है कि हम हार से सीखें और उन्हें अपने अनुभव का हिस्सा बनाएं, ताकि और अधिक समझदारी से जीवन में आगे बढ़ सकें और जीत को गले लगा सके। प्रयास यही रहे कि हमारे विकास में यह रुकावट न डाल पाए।

जाते हुए वर्ष को अलविदा कहने एवं नये वर्ष का स्वागत करने की यह चौखट कल्पना, ईमानदारी और आत्ममंथन की मांग करती है, जिससे हम अपने जीवन के फैसलों को और अधिक सटीक और तर्कसंगत बना सकते हैं। नए साल की शुरुआत जीवनशैली में बदलाव करने, बुरी आदतों को छोड़ने और अपने संकल्प को बेहतर बनाने के लिए एक बेहतरीन समय है। नए साल के सबसे लोकप्रिय संकल्पों में अधिक महत्वपूर्ण है अपने आत्मविश्वास को कमजोर न होने देना।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को चंडीगढ़ में विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं के साथ बैठक की।

सिनेमा जगत की हस्तियों ने 'वेव्स' सम्मेलन के आयोजन के लिए सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। अक्षय कुमार, अनिल कपूर, एकता कपूर और प्रसून जोशी समेत भारतीय फिल्म उद्योग की हस्तियों ने 'वेव्स समिट 2025' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की। इस पहल का उद्देश्य भारत को वैश्विक सृजन का केंद्र बनाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि भारत पांच फरवरी से नौ फरवरी के बीच पहली बार 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल इंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) की मेजबानी करेगा।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री के आधिकारिक पेज ने भी आगामी कार्यक्रम के बारे में एक पोस्ट साझा किया, जिसे कई मशहूर हस्तियों ने रीपोस्ट किया।

अभिनेता अक्षय कुमार ने 'वेव्स समिट 2025' को एक 'नायाब विचार'' करार दिया। उन्होंने लिखा, अब यह मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का दृष्टिकोण है...। उम्मीद है कि वेव्स 2025 सम्मेलन पूरे मनोरंजन उद्योग को एक साथ लाने और आगे बढ़ने के लिए एक शानदार वैश्विक मंच होगा।

अभिनेता ने कहा, वेव्स सम्मेलन भारत को फिल्म और मनोरंजन का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रचनात्मकता और सहयोग का जश्न मनाने के लिए दुनिया को एक साथ आते देखने के लिए उत्सुक हूं।

निर्माता एकता कपूर ने कहा, भारत को फिल्म और मनोरंजन का वैश्विक केंद्र बनते हुए देखकर बहुत खुशी हो रही है। इस ऐतिहासिक पहल में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

अभिनेता निक्की तंबोली और अरबाज पटेल सोमवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर पहुँचते ही फ़ोटो के लिए पोज़ देते हुए।

कीटाणुनाशक केवल 99.9% कीटाणुओं को ही क्यों मार पाते हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न।क्या आपने कभी सोचा है कि ज़्यादातर कीटाणुनाशक यह क्यों कहते हैं कि वे 99.9 फीसदी या 99.99 फीसदी कीटाणुओं को मार देते हैं, लेकिन ये कीटनाशक कभी भी 100 फीसदी कीटाणुओं को खत्म कर देने का वादा नहीं करते? शायद यह विचार आपके दिमाग में रसोई या बाथरूम की सफ़ाई करते समय आया हो।

निश्चित रूप से, हर तरह के अद्भुत काम करने में सक्षम विज्ञान की दुनिया में लोग ऐसा कीटाणुनाशक ज़रूर चाहेंगे जो 100 फीसदी कारगर हो। इस पहेली का जवाब पाने के लिए माइक्रोबायोलॉजी और गणित की थोड़ी समझ की ज़रूरत है।

कीटाणुनाशक एक ऐसा पदार्थ है जिसका इस्तेमाल निर्जीव वस्तुओं पर बैक्टीरिया, वायरस और अन्य रोगाणुओं को मारने या निष्क्रिय करने के लिए किया जाता है। हमारे घरेलू वातावरण में सतहों और वस्तुओं पर अनगिनत रोगाणु होते हैं। ज़्यादातर रोगाणु हानिकारक नहीं होते (और कुछ हमारे लिए अच्छे भी होते हैं), लेकिन उनका एक छोटा सा हिस्सा हमें बीमार कर सकता है। कीटाणुशोधन में भौतिक हस्तक्षेप जैसे गर्मी संबंधी उपचार या यूवी प्रकाश का उपयोग शामिल हो सकता है। सामान्यत: जब हम कीटाणुनाशकों के बारे में सोचते हैं तो हम सतहों या वस्तुओं पर रोगाणुओं को मारने के लिए रसायनों के उपयोग का उल्लेख कर रहे होते हैं। रासायनिक कीटाणुनाशकों में अक्सर अल्कोहल, क्लोरीन यौगिक और हाइड्रोजन पैरॉक्साइड जैसे सक्रिय तत्व होते हैं जो विभिन्न रोगाणुओं के महत्वपूर्ण घटकों को लक्षित करके उन्हें मार सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में हम सभी कोविड मामलों के प्रसार के संदर्भ में घातीय वृद्धि (एवर एक्सीलेरेटिंग रेट) की अवधारणा से परिचित हैं। इसमें संख्याएँ लगातार बढ़ती हैं, जिससे स्थिति खतरनाक हो सकती है। उदाहरण के लिए, यदि 100 बैक्टीरिया की कॉलोनी हर घंटे दोगुनी हो जाती है, तो 24 घंटे में बैक्टीरिया की आबादी 1.5 अरब से अधिक हो जाएगी।

इसके विपरीत, रोगाणुओं को मारना या निष्क्रिय करना एक लघुगणकीय क्षय (लॉगरिदमिक डिके) पैटर्न का अनुसरण करता है, जो अनिवार्य रूप से घातीय वृद्धि के विपरीत है। यहाँ, समय के साथ रोगाणुओं की संख्या कम हो जाती है, मृत्यु की दर धीमी हो जाती है क्योंकि रोगाणुओं की संख्या कम हो जाती है।

उदाहरण के लिए, यदि कोई विशेष कीटाणुनाशक हर मिनट 90 फीसदी बैक्टीरिया को मारता है, तो एक मिनट के बाद, मूल बैक्टीरिया का केवल 10 फीसदी ही बचेगा। अगले मिनट के बाद, शेष 10 फीसदी का 10 फीसदी बचेगा जो मूल मात्रा का मात्र एक फीसदी होगा। यह सिलसिला आगे चलता रहेगा। इस लघुगणकीय क्षय पैटर्न के कारण, यह दावा करना कभी भी संभव नहीं है कि किसी भी सूक्ष्मजीव आबादी को 100 फीसदी मारा जा सकता है। आप केवल वैज्ञानिक रूप से कह सकते हैं कि आप प्रारंभिक आबादी के अनुपात से सूक्ष्मजीव भार को कम करने में सक्षम हैं।

यही कारण है कि घरेलू उपयोग के लिए बेचे जाने वाले अधिकांश कीटाणुनाशक संकेत देते हैं कि वे 99.9 फीसदी कीटाणुओं को मारते हैं।

पिताजी को सबकुछ कांग्रेस की वजह से मिला, उन्हें इंदिरा गांधी ने बनाया था: अभिजीत मुखर्जी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पुत्र अभिजीत मुखर्जी ने अपनी बहन शर्मिष्ठा मुखर्जी के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके पिता को सार्वजनिक जीवन में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद समेत जो कुछ हासिल हुआ, वो कांग्रेस की बदौलत हुआ।

पूर्व सांसद मुखर्जी ने यह भी कहा कि उनके पिता का निधन कोविड काल में हुआ था और ऐसे में उस समय की कई पाबंदियों के चलते कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाकर श्रद्धांजलि नहीं दी जा सकी थी, हालांकि बाद में कार्य समिति ने श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

इससे, पहले प्रणब मुखर्जी की बेटी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद सिंह के सम्मान में कार्य समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित किए जाने का हवाला देते हुए कहा था कि उनके पिता के निधन पर कांग्रेस ने यह नहीं किया था।

शर्मिष्ठा ने 27 दिसंबर को 'एक्स' पर पोस्ट किया था, जब मेरे बाबा का निधन हुआ तो कांग्रेस ने शोक सभा के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाने की भी जहमत नहीं उठाई। एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा था कि राष्ट्रपतियों के लिए ऐसा नहीं किया जाता। यह पूरी तरह से बकवास है, क्योंकि बाद में मुझे बाबा की डायरी से पता चला कि के. आर. नारायणन के निधन पर सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलायी गई थी और शोक संदेश खुद बाबा ने ही तैयार किया था।

उनके भाई अभिजीत मुखर्जी ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ बातचीत में उनकी बातों को खारिज किया। प्रणब मुखर्जी का निधन 31 अगस्त, 2020 को हुआ था।

कांग्रेस से दो बार लोकसभा सदस्य रहे मुखर्जी ने कहा, उस समय कोविड का दौर चल रहा था, तत्काल कार्य समिति की बैठक नहीं बुलाई गई थी, बाद में बुलाई गई थी। कार्य समिति में कई वरिष्ठ लोग थे, और उस समय आने-जाने की पाबंदी थी।

मृणाल ठाकुर ने दिखाई 'दिसंबर' की डायरी से खास पलों की झलक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया पर खास पोस्ट के जरिए प्रशंसकों को दिसंबर के रोमांच की झलक दिखाई। 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर ने दिल को छू लेने वाली तस्वीरों और वीडियो के साथ महीने के यादगार पलों को कैद किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में मृणाल ने त्योहारों से लेकर अपने परिवार और दोस्तों के साथ बिताए खूबसूरत पलों के साथ-साथ उनकी संजोई हुई यादों की भी झलक दिखाई। तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने लिखा, दिसंबर हैदराबाद- मां। मृणाल ने सेट पर काम करते हुए खुद की क्लिप भी शेयर की, जिसमें उनकी आगामी प्रोजेक्ट्स के पर्दे के पीछे की झलक भी दिखाई दी। इससे पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों को बताया था कि उन्होंने 'डकैत' की शूटिंग पूरी कर ली है। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में वह अपनी वैनिटी वैन में मेकअप करवाते दिखी थीं। आगामी फिल्म 'डकैत' में मृणाल ठाकुर अभिनेता अदिवी शेष के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। एक्शन-ड्रामा फिल्म के निर्देशक शेनिल देव हैं। यह एक गुस्सैल अपराधी की कहानी है जो अपनी पूर्व प्रेमिका से बदला लेने की योजना बनाता है जिसने उसे धोखा दिया था। किरदार के बारे में जानकारी देते हुए मृणाल ने बताया था, फिल्मों में मैं जिस किरदार को निभाने जा रही हूं, वह मुझे एक ऐसे रूप को दिखाने का मौका देगा जो मैंने एक कलाकार के तौर पर पहले कभी नहीं निभाया था। 'डकैत' की कहानी दर्शकों के लिए देखने लायक है। मैं शेनिल द्वारा कल्पना की गई दुनिया में उतरने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मृणाल ठाकुर के वर्कफ्रंट की बात करें तो टीवी जगत से निकलकर फिल्म जगत में अपने शानदार काम से छाने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर 'बाटला हाउस', 'सीता रामम' और 'हाय नन्ना' जैसी फिल्मों में शानदार काम कर चुकी हैं।

अल्लू अर्जुन की नियमित जमानत याचिका मामले में तीन जनवरी को फैसला

हैदराबाद/एजेन्सी

तेलुगु फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन के संध्या 70 एमएम थिएटर भगदड़ मामले में दायर नियमित जमानत याचिका पर नामपल्ली अदालत तीन जनवरी को अपना फैसला सुनाएगा। पुलिस ने अभिनेता की ओर से दायर जमानत याचिका के खिलाफ जवाबी हलफनामा दाखिल किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। फिलहाल अंतरिम जमानत पर चल रहे टॉलीवुड अभिनेता ने शुक्रवार को हैदराबाद के नामपल्ली आपराधिक न्यायालय में

याचिका दायर कर गत चार दिसंबर को अपनी नवीनतम फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति में 35 वर्षीय महिला की मौत से संबंधित मामले में नियमित जमानत की मांग की। दुखद घटना में उनके बेटे श्रीतेज को गंभीर चोटें आईं। अभिनेता के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज होने के बाद 13 दिसंबर को उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने अभिनेता को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था और उन्हें कुछ समय के लिए चंचलगुडा जेल में रखा गया था। उनके वकील ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए मैं बहुत उत्सुक हूं : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

मंडी लोकसभा सीट से भाजपा सांसद व मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा है कि वह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वह अपनी धर्म संस्कृति से जुड़ें। क्योंकि, अपनी धर्म संस्कृति से जुड़ने में कोई शर्म की बात नहीं है। कंगना रनौत रविवार को जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य की राम कथा में पहुंची थीं। यहां उन्होंने राम कथा सुनी। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने जिस तरह से राम कथा सुनाई, मेरे साथ सभी भक्त भाव-विभोर हो गए। वह लोगों के धार्मिक कर्तव्य को राष्ट्रीय कर्तव्य से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामभद्राचार्य जी से मेरी पहली मुलाकात अयोध्या में राम जन्मभूमि पर हुई थी। वो उस

वक्त एक यज्ञ कर रहे थे। मेरा मानना है कि जो इस मातृभूमि का नहीं हो सकता, वह किसी का नहीं हो सकता है।

'महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान पर भाजपा सांसद ने कहा कि बिल्कुल सही बात है। देखिए हमने इतिहास में कई बार देखा है कि चाहे वह अंग्रेजों का समय हो या अलग-अलग राजनीतिक दलों का दौर, हमें विभाजित करने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को एकजुट करने का कार्य कर रहे हैं। महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए देश-विदेश से लोग आएंगे। मैं भी वहां जाने के लिए उत्सुक हूं।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का हिंदुत्व की ओर हो रहे झुकाव पर भाजपा सांसद ने कहा कि हम सभी को अपनी संस्कृति से जुड़ने में गर्व महसूस करना चाहिए। सनातन धर्म से जुड़ने में किसी को संकोच नहीं होना चाहिए।

हम सभी ने अपनी शिक्षा और जीवन के दौरान कहीं न कहीं भटकाव महसूस किया। लेकिन स्वामी विवेकानंद, सद्गुरु और स्वामी रामभद्राचार्य जैसे महापुरुषों ने हमें हमारी संस्कृति से जोड़ा। मैं युवाओं से यही कहना चाहती हूं कि अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए।

यामी गौतम को मिला 'एक्ट्रेस ऑफ द ईयर 2024' का अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री 'एक्ट्रेस ऑफ द ईयर 2024' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने हाल ही में नई दिल्ली में हुए न्यूज़मेकर्स अवॉर्ड्स के दौरान यामी गौतम धर को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया है। स्टेज पर स्मृति ने यामी के शानदार सफर की तारीफ की है। स्मृति ईरानी ने यामी गौतम धर की तारीफ करते हुए कहा, अक्सर अभिनेताओं के बारे में कहा जाता है कि उनकी कला और मेहनत उनके प्रदर्शन में झलकती है, जो किसी दिखावे या ग्लैमर से कहीं ज्यादा खास होती है। जब मैं यामी जैसी पब्लिक पर्सनालिटी को देखती हूं, जो अपने काम में ग्लैमर और गहराई के साथ-साथ कुछ मायने रखने वाली चीजें भी जोड़ती हैं, तो लगता है कि ये वाकई एक अच्छा साल रहा है। और जब हम दोनों इस स्टेज पर साथ खड़े होते हैं, तो वो पल और भी खास बन जाता है।

यामी को इस साल की फिल्म आर्टिकल 370 में उनकी दमदार परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किया गया। सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए यामी ने लिखा, 'आर्टिकल 370' के लिए एबीपीन्यूजटीवीसे यह सम्मान मिलने पर मैं आभारी हूं! यह अवॉर्ड हमारे दर्शकों और हमारी टीम के सभी सदस्य को समर्पित है, जिन्होंने इस फिल्म को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की!

राजप्रोडक्शंस ने फिल्म के 35 साल पूरे होने पर 'मैंने प्यार किया' को दोबारा रिलीज किया

नयी दिल्ली। राजप्रोडक्शंस ने रविवार को घोषणा की कि उसने सलमान खान और भाग्यअभिनीत लोकप्रिय रोमांस फिल्म मैंने प्यार किया को फिल्म की 35वीं वर्षगांठ के अवसर पर फिर से रिलीज किया है। यह फिल्म 29 दिसंबर 1989 को रिलीज हुई थी और बतौर निर्देशक सूरज बड़जात्या की पहली फिल्म थी। यह बतौर मुख्य अभिनेता सलमान की पहली फिल्म थी और भाग्यकी पहली फिल्म थी। प्रोडक्शन बैनर राजप्रोडक्शंस ने इस अवसर पर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा, एक ऐसी फिल्म जिसने प्यार के बारे में हमारा नजरिया बदल दिया। गहरी दोस्ती से लेकर जादुई रोमांस तक, 'मैंने प्यार किया' एक कालातीत क्लासिक है जिसने लाखों लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया है। यह सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित एक शानदार और पहली उत्कृष्ट फिल्म है जिसने हमें जीवन भर के लिए प्रेम और सुमन दिए। इसमें लिखा है, चलो एक साथ मैने प्यार किया के 35 साल पूरे होने का जश्न मनाते हैं! हमें फिल्म मैने प्यार किया का अपना पसंदीदा डायलॉग बताएं।

बोहरा ब्रदर्स ने सिनेमा में 78 शानदार साल पूरे होने का जश्न मनाया

मुंबई/एजेन्सी

गीता बाली अभिनीत और श्री राम बोहरा द्वारा निर्मित पहली फिल्म 'लचक' से अपनी यात्रा की शुरुआत करने के बाद, दारा सिंह की 'हरक्यूलिस' और 'थीफ ऑफ बगदाद' (जो एक ही प्रोडक्शन हाउस द्वारा तीन बार बनाई गई सबसे दुर्लभ फिल्मों में से एक थी) जैसी कई सुपरहिट फिल्में बनाईं - पहली दलजीत और चित्रा के साथ, दूसरी दारा सिंह और निशि के साथ और तीसरी 'शत्रुघ्न सिन्हा, कबीर बेदी, सुलक्षणा पंडित' के साथ। इसके बाद 'डॉ. शैतान', 'गोल्डन आइज़', 'पुरस्कार', 'बिजली', 'बेहरूपिया', 'अल हिलाल' (जिसमें प्रतिष्ठित गीत हमें तो लूट लिया मिलके हुस्न वालों ने था) और कई अन्य फिल्में बनाईं। 80 के दशक के आखिर से - मिथुन चक्रवर्ती अभिनीत 'कालिया', 'मर्द', 'गंगा की कसम' जैसी फ़िल्में ब्लॉकबस्टर हिट रहीं, 'गैंग्स ऑफ़ वासेपुर' (गार्जियन की 100 सर्वश्रेष्ठ विश्वव्यापी फ़िल्मों में शामिल) 'शैतान', 'माइकल', 'नॉट ए लव स्टोरी' 'मस्तराम' जैसी सुपर ब्लॉकबस्टर फ़िल्में। इस सूची में राज कुमार राव की सबसे महत्वपूर्ण फ़िल्म 'शाहिद' शामिल है, जिसे हंसल मेहता ने निर्देशित किया है और 'मालेगांव का सुपरमैन' कंपनी ने 'तनु वेड्स मनु' और 'साहेब बीवी और गैंगस्टर' और चटगाँव जैसी फ़िल्में भी प्रस्तुत की हैं।

बोहरा ब्रदर्स के सह-संस्थापक सुनील बोहरा, जो तीसरी पीढ़ी के फिल्म निर्माता हैं, ने कहा, पहले दिन से ही कंपनी का उद्देश्य अनूठी और उच्च अवधारणा वाली कहानियों का चयन करना रहा है, जिसे हम आने वाले वर्षों में भी जारी रखेंगे। एक अंतर्राष्ट्रीय

स्टूडियो के साथ रणनीतिक गठबंधन और 2025-26 की स्लेट की घोषणा 2025 की पहली तिमाही में की जाएगी। बोहरा ब्रदर्स ने 48 गुजराती फिल्में भी बनाईं- उनमें से कई सिल्वर जुबली थीं जैसे 'सोन कंसारी', 'पाटली परमार', 'कोई नू मिंधल कोई ना हाथे', 'विफ्रेली वाघन', 'वेर नी आग' और 'छैल छबीला गुजराती'। बोहरा ब्रदर्स द्वारा निर्मित 2 राजस्थानी फिल्में - 'बाबा रामदेव' और 'मां माने क्यों परनाई'। टीवी वर्टिकल ने कुछ गेम चेंजिंग शो का निर्माण किया जैसे 'फेस द रिव्यू' (फिल्मों के निर्देशकों और अभिनेताओं की लाइव ऑडियंस के साथ समीक्षा करने वाला अपनी तरह का पहला शो) समीक्षक कोमल नहाटा, तिग्मांशु धूलिया द्वारा निर्देशित 'मोहल्ला महोब्बत वाला', 'सीता और गीता', 'मिर्ची टॉप 20', 'क्राइम एंड बॉलीवुड' और 'एनजी टेक्स'।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

लायंस क्लब मीनमबाक्कम ने मनाया ‘आनंदोत्सव’ यूनिक कार्निवल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लायंस क्लब मीनमबाक्कम, चेन्नई ने वाईएमसीए रॉयपेटा के प्रांगण में ‘मेगा कार्निवल’ आनन्दोत्सव यूनिक कार्निवल का आयोजन किया। जिसमें चेन्नई एवं मुफसल के 13 अनाथाश्रम से लगभग 900 बच्चों एवम् उम्रदराज लोगों ने भाग लिया व पूरे आनंद और उल्लास के साथ पूरा दिन बिताया। सभी के लिए मनोरंजन हेतु गेम्स के स्टाल लगाए गए, जिसमें रिंग, बलून शूटिंग, सांप- सीढ़ी, उछल- कूद आदि का सभी ने भरपूर आनंद लिया। स्टेज शो में जादूगर ने अपने करतब दिखाए और अलग अलग सिनेमा स्टार के किरदार में नृत्य एवम् गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ लायंस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मुर्गेश कुमार लॉयन प्रेम कुमार, लायंस महेश एवं मल्टीपल से राजेश दवे, डायमंड जुबली अध्यक्ष संजय जैन, डायमंड जुबली चेयरमैन जयंतीलाल तेलीसरा, चेयरमैन किशोर गोलेच्छा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

लॉयंस जयंतीलाल तेलीसरा ने बताया कि मीनमबाक्कम क्लब हर वर्ष विशेष अनाथ बच्चों के लिए यात्रा एवम् दर्शन का आयोजन करता आ रहा है और इस वर्ष मार्च में 165 बच्चों को अयोध्या के दर्शन एवं निकट भ्रमण के लिए ले जाया जाएगा। मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक आयोग तमिलनाडु के सदस्य प्रवीण टाटीया ने कार्निवल के आयोजन की प्रशंसा की और बच्चों की खुशी देखकर आनंदित हुए। पूरे कार्निवल के दौरान पेय, स्नैक्स एवम् भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई।

इस आयोजन में अशोक कोठारी, सुरेश जैन, राजू, सपना, जशित गोगड़, राजेश, सरिता, मुकुल सुराणा, सुरेश मुथा, विजय गेलड़ा, महावीर जैन, माणकचंद कोठारी, विनोद मोदी का विशेष सहयोग रहा। अंत में सभी बच्चों, बुजुर्गों को गिफ्ट दिए और यातायात साधनों द्वारा उन्हें गंतव्य स्थल पर भेजा गया। धन्यवाद ज्ञापन सचिव निलेश जैन ने दिया।

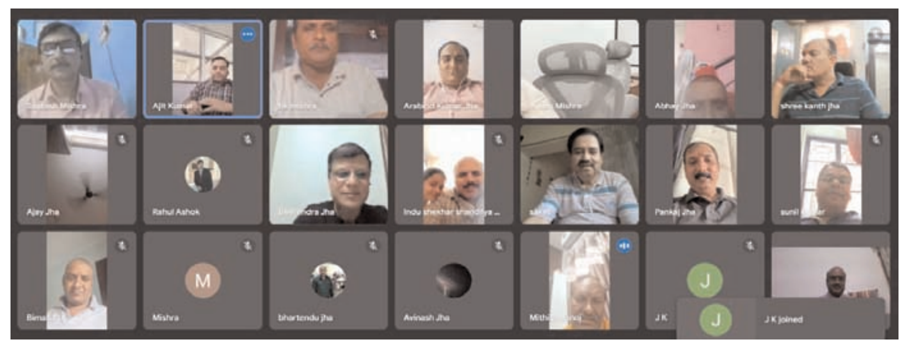

मैथिल समाज के जोड़ने के लिए बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मैथिल परिवार चेन्नई के तत्वावधान में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अगले साल 2025 में होने वाले सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु जूम मीटिंग की गई जिसमें सैकड़ों मैथिल परिवार के पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में इस बात की मुख्य रूप से चर्चा की गई की चेन्नई समेत तमिलनाडु के किसी भी क्षेत्र में निवास कर रहे मैथिल समाज के लोगों को खोजबीन हो, वह कहाँ और किस व्यवसाय या रोजगार से जुड़े हुए हैं? यदि वह किसी तरह से तकलीफ में है तो उनके लिए मैथिल परिवार उनके निदान एवं मदद के लिए आगे आएं।

मैथिल परिवार के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि इस बार 16 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मिथिला के सुप्रसिद्ध लोक गायक विकास झा एवं गायिका सुश्री जुली झा को निमंत्रित किया गया है। इस आयोजन में भारी संख्या में मैथिली समाज के लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। इस आयोजन के लिए डीजी वैष्णव कॉलेज के सभागार को बुक कर लिया गया है।

अग्रवाल महिला समिति की मंदिर यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री अग्रवाल सभा की महिला शाखा अग्रवाल महिला समिति ने 47 महिलाओं के साथ 28 दिसम्बर को इस्कॉन मंदिर पहुंचे। इस्कॉन मंदिर में सुनीता खेमका के नेतृत्व में ध्यान सत्र आयोजित किया गया।

हरीश सांघी ने इस्कॉन् मे सुंदर दर्शन की व्यवस्था करवाई तथा अजय जालान ने गीता की प्रति उपलब्ध करवाई। सीताराम गोयल व संतोष गोयल के द्वारा सभी के लिए अल्पहार की सुंदर व्यवस्था की गयी थी।

सभी ने समुद्र किनारे मत्स्य नारायण मंदिर के दर्शन किये और वहां की ऊर्जा ने सभी को अभिभूत कर दिया।

महिला समिति की अध्यक्ष सुनीता खेमका ने बताया कि सभी महिलाओं ने मंदिर और बस यात्रा में भरपूर आनंद लिया। उन्होंने यह भी वादा किया कि जल्द ही एक और कार्यक्रम की योजना बनाई जाएगी। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय गोयल व महामंत्री बाल गोविंद गुप्ता के सहयोग से यात्रा का सफल आयोजन हुआ।

महिला समिति की महामंत्री मंजू जालान, उषा अग्रवाल, सुचि गोयल, और रितु पित्ति ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। बस यात्रा के दौरान चांदनी खेमका ने महिलाओं का मनोरंजन किया। विभिन्न प्रकार के खेल खेले गए और भजन गाए गए।

धार्मिक शिक्षण शिविर में 200 बच्चों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वाधान में प्रति वर्ष के भांति ही इस वर्ष भी अर्धवार्षिक छुट्टियों ने धार्मिक शिक्षण शिविर लगाया गया।शिविर में करीब 200 बच्चों ने भाग लिया। गत 29 दिसम्बर को एस एस एस जैन भवन में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि समाज सेवी इंदर चंद कोठारी, शिविर पुरस्कार वितरक के रूप में समाज सेवी रमेश चंद सुतलिया व विशेष अतिथि के रूप में समाज सेवी उपध्यान चंद नाहर उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता श्री कोयंबतूर स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार बोहरा ने की। संपूर्ण समारोह का संचालन संघ के पाठशाला समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र श्रीश्रीमाल ने किया। पाठशाला समिति के सचिव राकेश गोलेच्छा ने अपने विचार रखे। इंदरचंद कोठारी व रमेशचंद सुतलिया, संघ सचिव सुनील हिंगड़ ने बच्चों के उत्साहवर्धन रूप में अपने विचार रखे।

शिविर में लिए गए परीक्षा में सभी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को पारितोषक प्रदान किए गए और सभी अभ्यार्थियों को समान पुरस्कार वितरित किए गए।शिविर में सेवा देने वाले अध्यापकों का भी सम्मान किया गया। यह जानकारी राजेश कुमार गादिया ने दी।

आईश्री सोनल माताजी का जन्मोत्सव 1 जनवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तमिलनाडु चारण समाज के तत्वावधान में आईश्री सोनल माताजी का यहां 21वां वार्षिक जन्मोत्सव साहुकारपेट के रामदेव भवन (तीसरे माले) में आयोजित किया गया है। इस समारोह में चेन्नई के साथ कांचीपुरम् एवं सिघल पट्टु जिले के रहने वाले चारण समाज को अन्य बंधुओं को आमंत्रित किया गया है। हिंगलाजदान चारण ने बताया कि कार्यक्रम में पूजा अर्चना और चिरजा एवं छंद का आयोजन किया गया है। सरकार के मुख्य पदों पर आसीन

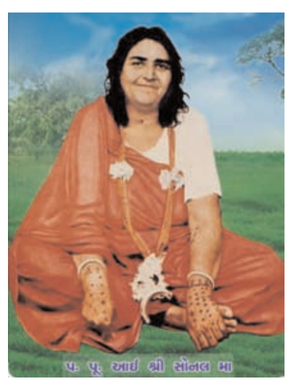

समाज के प्रमुख मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित होकर समाज को संबोधित करेंगे। चारण ने समाज के सभी बंधुओं कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

आदिवासी समुदाय के परिवारों को दैनिक जरूरत की सामग्री वितरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लायंस क्लब ऑफ आवडी एवं रिटेन स्माइल्ज के संयुक्त तत्वावधान में 30 दिसम्बर को थिरुमुलैवॉयल में नव वर्ष के अवसर पर हुए एक समारोह में 60 आदिवासी समुदाय के परिवारों को किराना सामान, दैनिक जरूरत के घरेलू बर्तन और कंबल वितरित किए गये। समारोह में तमिलनाडु के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एस.एम. नाजर शामिल हुए। इस मौके पर लॉयंस क्लब ऑफ आवडी के अध्यक्ष राहुल बोहरा ने उपस्थित जनसमूह को नए साल की शुभकामनाएं दी। समारोह में लॉयंस क्लब ऑफ आवडी के सचिव एलंगो, कोषाध्यक्ष शिवकुमार, सूर्य प्रकाश, रविकुमार, माहेश्वरी, सरवनन सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

‘शीश के दानी श्याम बाबा का सारे जग में डंका बाजे’

श्याम दीवाने ने सजाया बाबा का अलौकिक दरबार, झूमे श्याम भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्याम दीवाने के तत्वावधान में द्वादश वार्षिकोत्सव के रूप में ‘सबका प्यारा-श्याम हमारा’ भजन संध्या का आयोजन रविवार को विजयनगर स्थित सुगन्ना कल्याण मंडप में हर्षोल्लास से किया गया। रविवार को दोपहर में सबसे पहले पंडित मुरारी दाधीच ने पूरे मंत्रोच्चार के साथ संस्थापक सदस्य नंदलाल सोनी, ओमप्रकाश राठी, देव कोठारी, गिरी बागड़ी से बाबा की विशेष पूजा करवाई और अखंड ज्योत प्रज्वलित करवाई।

इस मौके पर कोलकाता के विशेष कारीगरों द्वारा बाबा श्याम, भगवान गणेश, हनुमानजी, दुर्गा मां व शिव पार्वतीजी का विशेष दरबार सजाया जाएगा। रंगीन व ताजे फूलों से बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया गया था जो कि सभी भक्तों को अनायास ही अपनी ओर आकर्षिक कर रहा था। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा के दरबार

का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। दीप प्रज्वलन के बाद संस्था के गायक देव कोठारी ने गणेश वंदना की प्रस्तुति के साथ भजनों की प्रस्तुति दी। साथ ही संदीप सोनी, श्याम बगड़िया, मनोज मेहता, किशन बगड़िया, मास्टर मुकुंद आदि ने अपनी अपनी प्रस्तुति से बाबा को श्याम को रिझाया। भजन संध्या में कोलकाता के गायक राहुल गहरवाल ने मधुर भजनों से पूरा सभागार को श्याममय बना दिया। जब मुख्य भजन गायक रामकुमार लख्खा आए तो श्रद्धालुओं ने बाबा के जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया। लख्खा ने भगवान गणेश को याद करते हुए रामायण की चौपाई मंगल भवन अमंगल हारी से अपने भजनों की यात्रा शुरु की। रामकुमार लख्खा ने जब ‘शीश के दानी का सारे जग में डंका बाजे....., पकड़ लो हाथ बनवारी, नहीं तो रुठ जाएंगे.......’भजन गाएं तो श्रद्धालुओं सहित श्याम दीवाने के सदस्यों ने नाच गाकर बाबा को रिझाया। लख्खा ने भजनों के बीच बीच में खाटू श्याम की विशेष जयकारें लगावाएं। इस श्याम महोत्सव में दिल्ली के संगीतकार नरेश पुनिया एंड पार्टी ने संगीत की प्रस्तुति दी। संस्था द्वारा सभी मेहमान गायकों व संगीतकारों का सम्मान किया गया तथा उन्हें कैलेंडर भेंट किया गया। इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में राजगढ़ सादुलपुर नागरिक परिषद के अध्यक्ष प्रभात किशनपुरिया, श्याम गौशाला के प्रमुख सतीश मित्तल, गुरु पुण्यवानी कम्पनी के डायरेक्टर संजय बैद, दादीधाम प्रचार समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल, श्याम मंदिर ट्रस्ट के सुशील राणासरिया सहित बड़ी संख्या में अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कुंभ मेला विशेष ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार महाकुंभ मेला महोत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ट्रेन संख्या 06019/06020 मंगलूरु सेंट्रल-वाराणसी-मंगलूरु सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चला रही है।

ट्रेन संख्या 06019 मंगलूरु सेंट्रल-वाराणसी साप्ताहिक स्पेशल 18 जनवरी और 15 फरवरी शनिवार को मंगलूरु से 04.15 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 14.50 बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 06020 वाराणसी-मंगलूरु सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल 21 जनवरी और 18 फरवरी मंगलवार को वाराणसी से 18.20 बजे रवाना होगी और चौथे दिन 02.30 बजे मंगलूरु सेंट्रल पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 1 एसी टू टियर कोच, 3 एसी थ्री टियर कोच, 12 स्लीपर क्लास कोच, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

मद्रास इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गत दिनों मेटा कन्वेंशन हॉल पुरुषवाक्कम में दि मद्रास इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन (मेटा) की साधारण सभा के पश्चात् चुनाव सम्पन्न हुआ। एसोसियेशन के अध्यक्ष हुक्मीचंद शाह ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। एसोसियेशन के कार्यकारी सचिव सुनील कुमार ने गत वर्ष की रिपोर्ट का विवरण दिया। कोषाध्यक्ष कन्यालाल ने गत वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। जिसे उपस्थित सदस्यों द्वारा पूर्ण बहुमत से पारित किया और बहुमत से वोट डालने का आग्रह किया।

इस चुनाव के अंतर्गत हीराचंद जैन अध्यक्ष, हंसराज पुरोहित, प्रकाश नाहर उपाध्यक्ष व महेन्द्र कुमार मुथा सचिव निर्विरोध चुने गए। कमेटी सदस्यों का चुनाव भी इसी दौरान हुआ। उपस्थित सदस्यों ने पूर्ण रूप के साथ वोट डाले जिनमें पूर्ण बहुमत से विजयी हुए। उपसचिव में नरपत कुमार (मधु इलेक्ट्रोनिक्स) और नवनीत दम्माणी (एस.एस. ट्रेडिंग कम्पनी) चुने गए हैं। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों मेंअभय भंसाली, अभिनन्दन के. कांकरिया, अमित खारीवाल, जगदीश यू. शाह, कनियालाल ओ., किरणकुमार, ललित एम. शाह, प्रफुल्लचंद कुम्भट, प्रेमकुमार मुधड़ा, राहुलकुमार सिंघी, रेवाशंकर रॉवल, सागर सुराणा, श्याम ललवाणी, सुकनराज परिहार, विनोद कोठारी चुने हैं। चुनाव अधिकारी के तहत मुकेश खुबचंदानी, चंचलराज खिंवसरा व उनके अतिरिक्त एसोसियेशन के उपस्थित सदस्यों ने इस चुनाव को संपन्न करने के लिए सहयोग प्रदान किया।

सोमवती अमावस्या पर मानव सेवा समिति ने की गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। ओल्ड हुब्बल्ली के अभिनव नगर में स्थित विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा संचालित कष्टभंजन हनुमान मंदिर व गौशाला में सोमवती अमावस्या के अवसर पर मानव सेवा समिति द्वारा गौशाला में 6 थैला पशु आहार व 25 किलो गुड भेंट किया गया। इस मौके पर समिति के गणपत सिंह राठौड़, नारायणसिंह राठौड़, किशनसिंह भाटी, हरीश सैन, नरेशकुमार पटेल, नवीन देवासी, केवाराम आदि उपस्थित थे। विहिप के महानगर सेवा प्रमुख सुभाषचंद्रा डंक ने बताया की मानव सेवा समिति प्रति अमावस्या व पूर्णिमा पर अलग अलग स्थान पर सेवाकार्य करती है ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.